Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 233
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00
लखनऊ-रविवार,21 दिसम्बर 2025

हिन्दी दैनिक

मंत्र भारत

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 मुख्यमंत्री ने अपनाया कड़ा रुखचेयरमैन को दी चेतावनी

4 साफ हवा कोई लग्जरी नहीं, नागरिकों का अधिकार है

5 जान्हवी कपूर रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ फिर आई नजर

सीएम योगी का निर्देश

विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए

लखनऊः मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अस्पताल के खर्च का तेजी से आकलन करने और सरकार को सूचित करने का निर्देश दिया, साथ ही मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से उचित मदद का आश्वासन दिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया है कि लोगों को विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान लोगों की शिकायतें सुनने के बाद यह निर्देश दिया। कार्यक्रम में करीब 250 लोग उपस्थित थे। एक महिला ने मुख्यमंत्री को सूचित किया कि एक एजेंट ने उनके परिवार के सदस्य को विदेश भेजने का वादा किया था, लेकिन बाद में उसने धोखा दे दिया। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए आदित्यनाथ ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों को एजेंट के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और पीड़िता का पैसा वापस दिलाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने महिला को एजेंट के जाल में न फंसने की सलाह दी, और कहा, जो लोग अवैध तरीकों से विदेश जाने की कोशिश करते हैं, वे अक्सर जेल पहुंच जाते हैं। आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि पीड़ितों की सहायता में कोई देरी या लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर लोगों की शिकायतों के समाधान में कोई लापरवाही हुई, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष और उचित समाधान सुनिश्चित करें और प्रत्येक पीड़ित को तत्काल राहत दिलाएं। उन्होंने अवैध भूमि अतिक्रमण के मामलों में भी कानूनी और सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया। बयान में कहा गया है कि जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान कई लोगों ने चिकित्सा उपचार के लिए वित्तीय सहायता मांगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अस्पताल के खर्च का तेजी से आकलन करने और सरकार को सूचित करने का निर्देश दिया, साथ ही मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से उचित मदद का आश्वासन दिया।

दिल्ली में ठंड और कोहरे का असर, 100 से अधिक उड़ानें रद्द

एयरलाइंस के लिए गाइड लाइन जारी

नईदिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर तथा पूर्वी भारत के कई हिस्सों में कोहरे के कारण दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार सुबह 100 से अधिक उड़ानें रद्द रहीं। इस बीच सरकार ने विमान सेवा कंपनियों को निर्देश जारी कर यात्रियों को उड़ान की वास्तविक स्थिति की सही-सही जानकारी देने और देरी की स्थिति में उनकी सुविधाओं का ध्यान रखने के लिए निर्देश जारी किया है। दिल्ली हवाई अड्डे की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, अब तक प्रस्थान करने वाली 50 से अधिक और यहां आने वाली भी लगभग इतनी ही उड़ानों के रद्द होने की सूचना है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली समेत उत्तर भारत और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में इन दिनों तड़के और सुबह के समय घना कोहरा बन रहा है। इससे उड़ानें बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शुक्रवार रात एक निर्देश जारी किया है जिसमें कहा गया है कि विमान सेवा कंपनियां यात्रियों को उड़ान में देरी, समय में बदलाव या उसके रद्द होने के बारे में अग्रिम और सही-सही जानकारी देंगी। अंतिम समय में देरी की घोषणा करने पर तुरंत जानकारी देना अनिवार्य होगा। इसके अलावा एक सीमा से अधिक देरी होने पर यात्रियों के जलपान की व्यवस्था करनी होगी। साथ ही, रीशिड्यूलिंग की स्थिति में कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। रात में निश्चित समय से ज्यादा की देरी होने पर होटल में ठहरने की व्यवस्था करनी होगी।

सार संक्षेप

कोहरे के कारण इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर 125 से ज्यादा उड़ानें रद्द

नयी दिल्ली दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर तथा पूर्वी भारत के कई हिस्सों में कोहरे के कारण यहां इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार सुबह 125 से अधिक उड़ानें रद्द की गयीं। दिल्ली हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि सुबह 10 बजे तक प्रस्थान करने वाली 63 और यहां उतरने वाली 66 उड़ानें रद्द कर दी गयीं। इसके अलावा कुछ उड़ानों में देरी की भी सूचना है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली समेत उत्तर भारत और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में इन दिनों तड़के और सुबह के समय घना कोहरा बन रहा है जिससे उड़ानें बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं।इस बीच, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शुक्रवार रात एक निर्देश जारी किया है कि विमान सेवा कंपनियां यात्रियों को उड़ान में देरी, समय में बदलाव या उसके रद्द होने के बारे में अग्रिम और सही-सही जानकारी देंगी। अंतिम समय में देरी की घोषणा करने पर तुरंत जानकारी देना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, एक सीमा से अधिक देरी होने पर यात्रियों के जलपान की व्यवस्था करनी होगी। साथ ही, रीशिड्यूलिंग की स्थिति में कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा।

पीएम की रैली में नादिया जा रहे थे चार भाजपा समर्थक, ट्रेन की चपेट में आने से मौत

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शनिवार सुबह तहेपुर में होने वाली रैली में शामिल होने जा रहे चार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समर्थकों की नदिया जिले में ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार यह घटना कृष्णानगर-राणाघाट रेल खंड पर तहेपुर और बड़कुल्ला रेलवे स्टेशनों के बीच हुई। मृतक उन करीब 40 भाजपा समर्थकों के समूह का हिस्सा थे, जिन्होंने मुर्शिदाबाद से तहेपुर जाने के लिए एक बस किराए पर ली थी। वे प्रधानमंत्री की बैठक और मटुआ-बहुल राणाघाट लोकसभा क्षेत्र में होने वाली सार्वजनिक रैली में शामिल होने जा रहे थे। सूत्रों ने बताया कि सुबह-सुबह समूह के पांच सदस्य रेलवे ट्रैक के पास बस से उतरकर लुघुशंका के लिए पटरियों पर चले गए। उसी समय उसी लाइन पर अचानक एक ट्रेन आ गई। क्षेत्र में घने कोहरे के कारण वे ट्रेन की आवाजाही को समय पर नहीं देख पाए। पटरी से हटने से पहले ही ट्रेन की चपेट में आ गए। तीन भाजपा समर्थकों की मौके पर ही मौत हो गई। उनके शवों को बाद में बरामद कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के लिए कृष्णानगर सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) थाने ले जाया गया।

असम पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री बोरदोलोई की प्रतिमा का किया अनावरण

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को असम के प्रथम मुख्यमंत्री गोपीनाथ बोरदोलोई के नाम पर बने हवाई अड्डे के नए टर्मिनल के बाहर स्थापित की गई उनकी 80 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया। बोरदोलोई की प्रतिमा प्रसिद्ध कलाकार राम सुतार ने बनाई थी, जिनका बुधवार को 100 साल की उम्र में निधन हो गया। सुतार ने ही मुगलों को हराने वाले प्रसिद्ध अहोम जनरल लचित बोड़फूकन की 125 फुट ऊंची प्रतिमा बनाई थी, जिसका मार्च 2024 में मोदी ने ही अनावरण किया था। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने कांग्रेस नेता रहे गोपीनाथ बारदोलोई को भारत रत्न से सम्मानित किया था। प्रधानमंत्री ने गुवाहाटी में लोकप्रिय गोपीनाथ बारदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का भी उद्घाटन किया। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी दो दिन की असम यात्रा पर गुवाहाटी पहुंचे। वह असम में करीब 15,600 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और जनसभाओं को संबोधित करेंगे।लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, उनके कैबिनेट सहयोगियों, गुवाहाटी के महापौर मृगेन शरणिया और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां लोकप्रिय गोपीनाथ बारदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एलजीबीआईए) के नए टर्मिनल का उद्घाटन किया। एकीकृत टर्मिनल दो भवन को प्रति वर्ष 1.31 करोड़ यात्रियों की आवाजाही के हिसाब से तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री ने 4,000 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नए टर्मिनल का निरीक्षण भी किया। इस हवाई अड्डे का नाम असम के पहले मुख्यमंत्री के नाम पर रखा गया है, जिनकी 80 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण भी मोदी ने हवाई अड्डे के बाहर किया।

अधिकारियों ने बताया कि परियोजना की कुल लागत 5,000 करोड़ रुपये है, जिसमें रखरखाव, मरम्मत सुविधाओं के लिए विशेष रूप से 1,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस हवाई अड्डे का उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत के लिए एक प्रमुख विमानन केंद्र और दक्षिण-पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार बनना है। अधिकारियों ने बताया कि नए टर्मिनल का क्षेत्रफल 1,40,000 वर्ग मीटर है और इसका डिजाइन असम की समृद्ध जैव विविधता और सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित है।

अरुणाचल स्थानीय चुनावः पासीघाट परिषद में पीपीए ने भाजपा को हराया

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के स्थानीय चुनाव में एक बड़े राजनीतिक उलटफेर में क्षेत्रीय दल पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) ने शनिवार को पासीघाट नगरपालिका परिषद (पीएमसी) चुनाव में जीत दर्ज की और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को नगर निकाय से बाहर का रास्ता दिखाया। नगर पालिका निर्वाचन अधिकारी द्वारा घोषित परिणामों में पीपीए बहुमत की ओर बढ़ता दिखाई दिया, जिसने आठ वार्डों में से पांच पर जीत हासिल कर परिषद में बहुमत प्राप्त कर लिया। परिणामों के अनुसार, पीपीए के उम्मीदवार टैगम पडुंग (वार्ड 1), मेम टैमुट (वार्ड 2), ओयोन पाबिन (वार्ड 3), कामिन लेगो (वार्ड 4) और राहुल टैमुक (वार्ड 5) ने जीत दर्ज की है।इसके उलट भाजपा ने केवल दो सीटों पर ही जीत हासिल की। इनमें मैरी गाओ (वार्ड 6) और पेमा डोल्मा मॉयोंग (वार्ड 7) विजयी रहे, जबकि वार्ड 8 में स्वतंत्र उम्मीदवार ओनी टैमुक विजयी हुये। विजयी उम्मीदवारों में, पीपीए के टैगम पडुंग 361 मतों को अंतर विजयी हुये, जबकि भाजपा की मैरी गाओ का जीत का अंतर केवल 24 मत था, जो सबसे कम है। नगर परिषद चुनाव का यह परिणाम पासीघाट में भाजपा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, जो पूर्व सियांग जिले का मुख्यालय और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष कालिंग मॉयांग का गृह नगर है। वहीं, यह पीपीए के लिए आने वाले राजनीतिक मुकाबलों से पहले उत्साहजनक खबर है। पीपीए समर्थकों ने जीत का जश्न मनाया और इसे स्थानीय नेतृत्व और जमीनी मुद्दों के लिए जनादेश बताया।अधिकारियों ने परिणाम घोषित होने के बाद लोगों से शांति और संयत व्यवहार बनाये रखने की अपील की। ईटानगर नगर निगम चुनाव के वोटों की गिनती कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जारी है।

एससी का बड़ा फैसला

समुदाय से बाहर शादी पर पिता छीन सकता है जायदाद

नईदिल्ली। समुदाय से बाहर शादी करने पर पिता ने वसीयत के जरिये बेटी को अपनी संपत्ति से वंचित कर दिया। लेकिन, पिता की संपत्ति में बंटवारा कर हिस्से का दावा कर रही शाइला को अब कोई अधिकार नहीं मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में कहा है कि वसीयत स्पष्ट रूप से साबित हो चुकी है और इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने वसीयत पर संदेह जताने वाले निचली अदालत और हाई कोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता को पिता की उस संपत्ति में बंटवारे और हिस्से का दावा करने का अधिकार नहीं है, जो उसके पिता ने उसके भाई-बहनों के नाम कर दी है।जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और के विनोद चंद्रन की पीठ ने वसीयत में संपत्ति से वंचित की गई वादी शाइला के वकील की यह दलील खारिज कर दी कि उसे पिता की संपत्ति में सिर्फ नौवां हिस्सा मिलेगा, जो कि नगण्य भाग ही होगा। पीठ ने कहा कि हम यहां न्याय के आधार पर विचार नहीं कर रहे और वसीयतकर्ता की इच्छा सर्वोपरि है। वसीयतकर्ता की अंतिम वसीयत से हटा नहीं जा सकता या उसे विफल नहीं किया जा सकता।मौजूदा मामले में शाइला जोसेफ के पिता एनएस श्रीधरन ने शाइला को समुदाय से बाहर शादी करने पर वसीयत के जरिये अपनी संपत्ति में उत्तराधिकार से बाहर कर दिया। श्रीधरन की शाइला सहित नौ संतानें थीं। श्रीधरन ने अपनी संपत्ति शाइला को छोड़कर बाकी आठ बच्चों में बांट दी थी। शुरूआत में शाइला ने वसीयत पर न तो कोई सवाल उठाया और न ही कोई दावा किया। लेकिन, काफी बाद में उसने अपने पिता की संपत्ति में बंटवारे का मुकदमा दाखिल किया। इसका अन्य भाई-बहनों ने पिता की वसीयत को आधार बनाते हुए विरोध किया। निचली अदालत और हाई कोर्ट ने मुकदमे की सुनवाई में वसीयत में गवाह के बयानों को देखते हुए संदेह जताया था। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि वसीयत संतोषजनक रूप से सिद्ध हो चुकी है।

एआई शिक्षा की दो धारी तलवार,

फायदे भरपूर, लेकिन डेटा प्राइवेसी पर खतरा- शिशिर जयपुरिया

नई दिल्ली। शिक्षाविद शिशिर जयपुरिया ने कहा है कि कृत्रिम मेधा (एआई) शिक्षा क्षेत्र के लिए एक फोर्स मल्टीप्लायर (क्षमता बढ़ाने वाला) है, लेकिन धोखाधड़ी, डेटा चोरी और निजता के उल्लंघन के लिए एआई उपकरणों का अनैतिक इस्तेमाल चिंता का विषय है। सेठ आनंदराम जयपुरिया ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष शिशिर जयपुरिया ने कहा कि एआई मंच प्रत्येक बच्चे की सीखने की शैली समझने, सीखने की क्षमता में अंतर की पहचान करने और परिणामों में सुधार के लिए ताकत एवं कमजोरियों का पता लगाने में स्कूलों की मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि एआई के माध्यम से शिक्षक अपने नियमित कार्य कम समय में निपटा

पा रहे हैं, जिससे उनकी उत्पादकता एवं दक्षता बढ़ रही है, साथ उन्हें बच्चों को पढ़ाने के लिए अधिक समय मिल पा रहा है। हालांकि, जयपुरिया ने एआई के अनैतिक इस्तेमाल को लेकर गंभीर चिंताएं भी जाहिर कीं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन परीक्षाओं के दौरान नकल के लिए एआई का सहारा लिए जाने की घटनाएं सामने आई हैं। जयपुरिया ने कहा कि स्कूलों को डेटा उल्लंघन रोकने और निजता सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा घेरा विकसित करना होगा। उन्होंने शिक्षकों के लिए डिजिटल प्रशिक्षण पर भी जोर दिया, ताकि वे एआई की पूरी क्षमता का लाभ उठा सकें। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के बारे में जयपुरिया ने कहा कि एनईपी-2020 एक दूरदर्शी दस्तावेज है, लेकिन इसके कार्यान्वयन में तेजी लाने की आवश्यकता है। उन्होंने देश भर में तीन-भाषा फॉर्मूले को लागू करने और शिक्षा के लिए बजटीय आवंटन को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के छह प्रतिशत तक ले जाने जैसी चुनौतियों का भी जिक्र किया। छात्र आत्महत्या की घटनाओं पर दुख जताते हुए जयपुरिया ने इसे एक सामाजिक और प्रणालीगत समस्या बताया। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सफल होने और शीर्ष ग्रेड हासिल करने की दौड़ में शिक्षा का मूल उद्देश्य पीछे छूट जाता है, जिससे शिक्षार्थियों पर प्रदर्शन का दबाव बढ़ जाता है।

घने कोहरे के चलते ताहिरपुर में नहीं उतर पाया पीएम मोदी का हेलिकॉप्टर

फोन के जरिये रैली को किया संबोधित, ममता सरकार पर साधा निशाना

कोलकाता/ताहिरपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी घने कोहरे के कारण हेलीकॉप्टर से पश्चिम बंगाल के नदिया में स्थित ताहिरपुर नहीं पहुंच पाए, जिसके बाद उन्होंने फोन के जरिये रैली को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी

सरकार का उद्देश्य पिछड़ेपन से जूझ रहे बंगाल के दूर-दराज के इलाकों तक आधुनिक संपर्क सुविधाएं सुनिश्चित करना है। इस दौरान पीएम मोदी ने बंगाल की ममता सरकार पर भी निशाना साधा। इससे पहले अधिकारियों ने बताया कि कम दृष्यता होने के कारण प्रधानमंत्री का हेलीकॉप्टर ताहिरपुर में नहीं उतर पाया, जिसके बाद यह कोलकाता हवाई अड्डा लौट गया। इसके बाद मोदी ने फोन के जरिये रैली को संबोधित करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस उनका और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का चाहे जितना विरोध करे लेकिन पश्चिम बंगाल की प्रगति नहीं रुकनी चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार का उद्देश्य पिछड़ेपन से जूझ रहे बंगाल के दूर-दराज के इलाकों तक आधुनिक संपर्क सुविधाएं सुनिश्चित करना है। मोदी आज ही दो दिवसीय असम यात्रा के लिए गुवाहाटी जाएंगे, जहां वह कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

केजीएमयू के 21वें दीक्षांत समारोह में बोले नड्डा

भारत में अब चिकित्सा शिक्षा में सुविधाओं, आधारभूत ढांचे की कमी नहीं

लखनऊः केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को चिकित्सकों से अनुरोध किया कि वे अब सुविधाओं और आधारभूत ढांचे की कमी का बहाना बनाकर विदेश नहीं जाएं, क्योंकि हमारा विद्यार्थी अब सुविधाओं और आधारभूत ढांचा नहीं होने की शिकायत नहीं कर सकता। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने शनिवार को यहां किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जिनको बाहर (विदेश) जाना है जाएं, लेकिन ये कहकर न जाएं कि हमारे पास सुविधाएं नहीं हैं, आधारभूत ढांचा नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यहां संस्थान भी है, सुविधाएं भी हैं और आधारभूत ढांचा भी है, उसका उपयोग करिए। नड्डा ने केजीएमयू की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि इस देश में 20वीं शताब्दी के अंत तक सिर्फ एक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) था, जब मेधावी विदेश जाते थे और उनसे यह पूछा जाता कि वे लंदन क्यों जा रहे हैं, तो वे सुविधाओं के नहीं होने की शिकायत करते थे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, आज गर्व के साथ कह सकता हूं कि जहां एक एम्स था, वहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज 23 अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान हैं। इसलिए हमारा विद्यार्थी अब सुविधाओं और आधारभूत ढांचे के नहीं होने की शिकायत नहीं कर सकता है। नड्डा ने दीक्षांत समारोह को स्वर्णिम अवसर करार देते हुए कहा कि इस तरह का समारोह खुशी का मौका होता है, खासतौर से विद्यार्थियों ने अपनी कड़ी मेहनत से जो मानवता की सेवा की है और चिकित्सा के क्षेत्र में जो स्थान बनाया है उसको प्रतिष्ठित करने का अवसर होता है। उन्होंने छात्रों, संकाय सदस्यों और अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में बच्चों की परवरिश तपस्या के रूप में होती है और ऐसी सफलता मिलने पर विद्यार्थियों से ज्यादा खुशी उनके माता पिता को होती है। नड्डा ने कहा, केजीएमयू में काम करना अपने आप में सौभाग्य की बात है। आप लोगों ने अपने हुनर, मेहनत और प्रतिबद्धता के कारण वह कार्य किया है जिसे कहा जा सकता कि आपने असंभव को संभव कर दिखाया है। उन्होंने कहा, मरीज को स्वस्थ बनाना कोई आसान काम नहीं है और आपके हाथों में जब कोई मरीज आता है तो वह जीवन की सुरक्षा और रक्षा की मांग लेकर आता है। स्वास्थ्य मंत्री ने उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि आज कॉर्निया, लीवर, गुर्दा प्रतिरोपण में केजीएमयू ने जो स्थान बनाया, उसके लिए बधाई। उन्होंने कहा कि केजीएमयू का गौरवमयी इतिहास रहा है और दुनिया भर में उसकी साख है। उन्होंने जोर देकर कहा, अगर मैं कहूं कि केजीएमयू ने सिर्फ देश की सेवा नहीं की है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

सिद्धार्थनगर जिले में सरकार की मंशा के अनुरूप प्रत्येक माह के प्रथम एवं तीसरे शनिवार को सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। बांसी तहसील सभागार में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन की उपस्थिति में सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। तहसील बांसी में आयोजित सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति एवं अन्य विभागों के शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, उपजिलाधिकारी बांसी निखिल चक्रवर्ती तथा पुलिस विभाग से सम्बंधित शिकायतों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन, क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिणी यादव द्वारा किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा तहसील समाधान दिवस में पिछले समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के आख्या का अवलोकन किया गया।अवलोकन के पश्चात जिलाधिकारी द्वारा तत्काल जिला स्तरीय टीम बनाकर मौके का जांच कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि भूमि से संबधित विवाद मौके पर जाकर निरीक्षण कर निस्तारण कराये

।जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस बांसी में उपस्थित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील समाधान दिवस में प्राप्त हो रही शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों के समक्ष जांच कर कार्यवाही किया जाये। जिलाधिकारी ने कानूनगो एवं लेखपालों को निर्देश दिया कि भूमि संपत्ति रजिस्टर एवं भूमि विवाद रजिस्टर अवश्य बना ले। किसी भी विभाग का तहसील दिवस का कोई भी प्रकरण लम्बित नही होना चाहिए यदि किसी भी विभाग का प्रकरण लम्बित पाया जायेगा तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। लेखपाल एवं कानूनगो मौके पर जाकर शिकायत के निस्तारण से पूर्व निरीक्षण कर उसके बाद की आख्या लगायेगे इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होनी चाहिए। लमुई ताल के हलका लेखपाल राजाराम द्वारा वरासत के प्रकरण में पैसा मांगने का आरोप तथा तहसील दिवस में बिना अनुमति के अनुपस्थित रहने के कारण उपजिलाधिकारी को लेखपाल राजाराम को निलम्बित करने का निर्देश दिया। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर कुल 48 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए जिसमें राजस्व-30, पुलिस विभाग से सम्बन्धित-05, नगर पालिका-10, पूर्ति-02 तथा बाल विकास विभाग-01 प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत हुए। राजस्व के 05 प्रार्थना-पत्रों का मौके पर निस्तारण करा दिया गया। तहसील दिवस में प्राप्त शेष शिकायती प्रार्थना पत्रों को तीन दिवस के अन्दर शत-प्रतिशत निस्तारण की कार्यवाही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस कार्यक्रम के इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त डी0एफ0ओ0, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, पी0डी0 नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी सतीश सिंह, डीएसओ देवेन्द्र प्रताप सिंह, उपकृषि निदेशक राजेश कुमार, तहसीलदार बांसी, तहसील बांसी क्षेत्र के अन्तर्गत समस्त थानाध्यक्ष, खण्ड विकास अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत, सीडीपीओ तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम से शिकायत पर सीएमओ व एसडीएम ने चिकित्सालय के रस्ते का किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर जिले के बांसी स्थित 50 शैय्यायुक्त संयुक्त चिकित्सालय के रास्ते के बंद होने की शिकायत तहसील समाधान दिवस में किसी

शिकायतकर्ता ने की थी जिलाधिकारी शिव शरणप्पा जीएन के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रजत कुमार चौरसिया व उप जिलाधिकारी निखिल चक्रवर्ती मौके पर पहुंचकर रास्ते का जायजा लिया।चिकित्सालय का रास्ता सकरा होने की वजह से एम्बुलेंस व मरीजों के आने-जाने में तकलीफ होती है रास्ते के चौड़ीकरण कराने पर सीएमएस डॉक्टर उजैर अतहर व स्वास्थ्य स्टाफ से चर्चा की। जिसमें उन्होंने मरीज के आने-जाने के लिए रास्ता चौड़ा करने पर बात की निरीक्षण के समय डॉक्टर से लेकर स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

ई-ऑटो लुटेरों का शॉर्टकट पड़ा भारी, 24 घंटे में सलाखों के पीछे पहुंचे तीन शातिर, लूट का माल किया बरामद

कानपुर। टाटमिल से रामादेवी जा रहे यात्री को ई-ऑटो में बैठाकर सीओडी पुल के नीचे जंगल में लूटने वाले तीन शातिरों को रेलबाजार पुलिस ने 24 घंटे में गिरफ्तार कर सामान बरामद किया। कानपुर में रेलबाजार पुलिस, स्वाट टीम व सर्विलांस टीम ने ई-ऑटो में बैठाकर लूट करने वाले तीन शातिरों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने सीओडी पुल के पास जंगल में ले जाकर लूट की घटना को अंजाम दिया था। पीड़ित रामादेवी चौराहे से बस में बैठकर वाराणसी जाने के लिए निकला था। डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने प्रेस वार्ता कर बताया कि बीते 18 दिसंबर की रात में 12:30 बजे महाराजगंज निवासी अमित चौहान टाटमिल चौराहे से रामादेवी चौराहे के लिए ई-ऑटो में बैठा था। ऑटो में पहले से ड्राइवर और उसके दोनों अन्य साथी सवार थे। 24 घंटे के अंदर खुलासा, तीन शातिर गिरफ्तार सीओडी पुल के पास ऊपर न ले जाकर उसे नीचे जंगल में ले गया। शातिरों ने चाकू के बल पर मारपीट कर फोन, लैपटॉप, टैबलेट और प्रिंटर लूट लिया था। पीड़ित ने रेलबाजार थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने 24 घंटे के अंदर खुलासा कर तीन शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। इनकी हुई गिरफ्तारी, यह माल हुआ बरामद पुलिस ने ऑटो चालक रिंकू यादव, अमित कुमार पासवान, निहाल कुमार प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से एक लैपटॉप, एक प्रिंटर, एक मोबाइल, एक टैबलेट बरामद हुआ है। पुलिस ने 24 घंटे के अंदर खुलासा किया है।

ढुलाई खर्च के अभाव में मुंडेरवा समिति पर नहीं पहुंच रही खाद

मुंडेरवा। गन्ना विकास सहकारी समिति मुंडेरवा पर पिछले बीस दिन से यूरिया खाद नहीं पहुंच रही है। बताया जा रहा कि ढुलाई खर्च के अभाव में जिला मुख्यालय स्थित मुख्य गोदाम से खाद नहीं आ पा रही है। इससे समिति से जुड़े एक दर्जन से अधिक गांवों के किसान खाद के लिए मारे-मारे फिर रहे हैं। किसान रामचंद्र दूबे, पिंटू चौधरी, कृष्ण मुरारी, अरविंद चौधरी आदि ने बताया कि समिति पर खाद समय से नहीं उपलब्ध होने के कारण के लिए किसान परेशान हो रहे हैं। किसानों का कहना है कि जब उन्हें डीएपी की जरूरत थी, तब भी समिति पर यही कठिनाई देखी गई। समिति के सचिव डॉ. रामफल सिंह ने बताया कि यूरिया की डिमांड भेज दी गई है। समिति पर जब पीसीएफ से खाद आता है तो उसका ट्रांसपोर्ट खर्च नहीं लगता है। जब एफसीआई के माध्यम से खाद आती है तो ट्रांसपोर्ट खर्च देना पड़ता है। इस खर्च के अभाव में खाद नहीं आ पा रही है।

कोई छेड़े तो डरें नहीं, पुलिस से मांगें मदद

गौर। बेटियों की सुरक्षा व महिलाओं में जागरूकता लाने के लिए मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत गौर थाने की मिशन शक्ति टीम ने बेटियों को जागरूक करते हुए कहा कि कोई छेड़े तो डरें नहीं, पुलिस से मदद मांगें। साइबर अपराधियों से बेटियों को हमेशा सावधान रहने की जरूरत है। केसरई शिव मंदिर परिसर में शुक्रवार को आयोजित बहू-बेटी सम्मेलन में बेटियों को जागरूक करते हुए कहा कि समाज में कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का दायित्व है। जिस तरह से सैनिक देश की सीमा की रक्षा करते हैं, उसी तरह पुलिस पर देश की आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी है। पुलिस की जिम्मेदारी है कि समाज में किसी प्रकार का अपराध न हो सके। अगर कोई अपराध हो गया है तो जल्द से जल्द अपराधियों को गिरफ्तार कर सजा दिलाई जाए। उन्होंने कहा कि बेटियां शिक्षा के माध्यम से आज हर क्षेत्र में नाम रोशन कर रही हैं। छात्राओं को किसी भी परिस्थिति में घबराने की जरूरत नहीं है। वे बेझिझक पुलिस की सहायता ले सकती हैं। सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर बेहद सतर्क और सजग रहने की जरूरत है। छात्राएं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल सोच समझकर करें। किसी भी अनजान व्यक्ति की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें और हमेशा आत्मनिर्भर बनने की कोशिश करें।

एस .एल .आर .डी . के 02 कोचों सहित कुल 16 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा प्रयागराज में लगने वाले माघ मेला के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये 01 जनवरी से 17 फरवरी, 2025 तक प्रतिदिन 02 अनारक्षित रिंग रेल सेवा चलाये जाने का निर्णय लिया गया है। फलस्वरूप 05101 झूसी-गाजीपुर सिटी-छपरा-थावे-सीवान-भटनी रिंग रेल अनारक्षित विशेष गाड़ी 01 जनवरी से 17 फरवरी, 2026 तक प्रतिदिन झूसी से 09.00 बजे प्रस्थान कर ज्ञानपुर रोड से 10.02 बजे, माधो सिंह से 10.22 बजे, बनारस से 11.20 बजे, वाराणसी जं. से 11.40 बजे, वाराणसी सिटी से 12.05 बजे, सारनाथ से 12.17 बजे, औंड़िहार से 12.50 बजे, गाजीपुर सिटी से 13.35 बजे, यूसुफपुर से 13.55 बजे, चित बड़ागांव से 14.24 बजे, बलिया से 14.55 बजे, सुरेमनपुर से 15.30 बजे, छपरा से 16.30 बजे, छपरा कचहरी से 16.43 बजे, मढ़ौरा से 17.09 बजे, मशरख से 17.30 बजे, दिघवादुबौली से 17.58 बजे, सिधवलिया से 18.20 बजे, रतन सराय से 18.41 बजे, गोपालगंज से 19.10 बजे, थावे से 19.40 बजे, हथुआ से 19.54 बजे, सीवान से 20.35 बजे, मैरवा से 20.54 बजे, भाटपार रानी से 21.12 बजे, भटनी से 21.39 बजे, सलेमपुर से 22.00 बजे, बेलथरा रोड से 22.23 बजे, इंदारा से 22.50 बजे, मऊ से 23.15 बजे, दुल्लहपुर से 23.38 बजे, जखनियां से 23.53 बजे, दूसरे दिन औंड़िहार से 00.25 बजे, सारनाथ से 00.54 बजे, वाराणसी सिटी से 01.20 बजे, वाराणसी से 01.40 बजे, बनारस से 02.00 बजे, माधो सिंह से 02.35 बजे तथा ज्ञानपुर रोड से 03.03 छूटकर झूसी 04.15 बजे पहुँचेगी। 05102 झूसी-बनारस-मऊ-भटनी-सीवान-थावे-छपरा-बलिया-गाजीपुर सिटी-वाराणसी सिटी-झूसी रिंग रेल अनारक्षित विशेष गाड़ी 01 जनवरी से 17 फरवरी, 2026 तक प्रतिदिन झूसी से 14.30 बजे प्रस्थान कर ज्ञानपुर रोड से 15.27 बजे, माधो सिंह से 15.41 बजे, बनारस से 16.35 बजे, वाराणसी जं. से 16.55 बजे, वाराणसी सिटी से 17.20 बजे, सारनाथ से 17.32 बजे, औंड़िहार से 18.00 बजे, जखनियां से 18.29 बजे, दुल्लहपुर से 18.41 बजे, मऊ से 19.15 बजे, इंदारा से 19.25 बजे, बेलथरा रोड से 19.52 बजे, सलेमपुर से 20.13 बजे, भटनी से 20.50 बजे, भाटपार रानी से 21.06 बजे, मैरवा से 21.21 बजे, सीवान से 21.55 बजे, हथुआ से 22.17 बजे, थावे से 22.50 बजे, गोपालगंज से 23.05 बजे, रतन सराय से 23.29 बजे, सिधवलिया से 23.45 बजे, दूसरे दिन दिघवादुबौली से 00.01 बजे, मशरख से 00.27 बजे, मढ़ौरा से 00.45 बजे, छपरा कचहरी से 01.28 बजे, छपरा से 02.00 बजे, सुरेमनपुर से 02.25 बजे, बलिया से 03.05 बजे, चित बड़ागांव से 03.23 बजे, यूसुफपुर से 03.49 बजे, गाजीपुर सिटी से 04.20 बजे, औंड़िहार से 05.05 बजे, सारनाथ से 05.30 बजे, वाराणसी सिटी से 06.00 बजे, वाराणसी जं. से 06.20 बजे, बनारस से 06.40 बजे, माधो सिंह से 07.14 बजे तथा ज्ञानपुर रोड से 07.28 बजे छूटकर झूसी से 09.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में सामान्य द्वितीय श्रेणी/शयनयान श्रेणी (अनारक्षित) के 14 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 16 कोच लगाये जायेंगे।

बांग्लादेश में हिंसक घटनाओं को लेकर भड़कीं काशी की मुस्लिम महिलाएं

वाराणसी। बांग्लादेश में हिंसक घटनाओं को लेकर विशाल भारत संस्थान एवं मुस्लिम महिला फाउंडेशन की महिलाएं, बच्चे और सामाजिक कार्यकताओं ने आक्रोश मार्च निकाला। बांग्लादेश में हिंसक घटनाओं को लेकर काशी की मुस्लिम महिलाओं ने आक्रोश मार्च निकाला गया। इसमें विशाल भारत संस्थान एवं मुस्लिम महिला फाउंडेशन की महिलाएं, बच्चे और सामाजिक कार्यकर्त्ता शामिल रहे। लमही के सुभाष भवन से प्रेमचंद स्मृति द्वार तक आक्रोश मार्च निकाला गया। इस दौरान बांग्लादेश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस का पुतला दहन किया गया। इस दौरान महिलाओं ने 'बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालो, इनके समर्थकों को जेल में डालो' का नारा लगाया। कहा मोहम्मद यूनुस हत्यारा है, बांग्लादेश की सारी आपूर्ति बंद

करो। बांग्लादेश को किसी तरह की मदद सांप को दूध पिलाने और उसको अपने साथ लेकर सोने जैसा है। यूनुस पाकिस्तान की कठपुतली है। बांग्लादेश अब कट्टरपंथियों के हाथ में है, जो बात-बात में मजहब के नाम पर हिंदुओं पर हमला करते हैं। मोहम्मद यूनुस के पुतले को आग लगाते हुए डॉ. नजमा परवीन ने कहा कि मजहबी उन्मादियों, कातिलों के खिलाफ अब मोर्चा खोल दिया गया है। अब समय आ गया है जब मुसलमान इन कट्टरपंथियों के गिरहबान में हाथ डालकर इनको हिंदुस्तान की पाक जमीन से खदेड़ दें। विशाल भारत संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजीव श्रीगुरुजी ने कहा कि शांति के लिए नोबल पाने वाला मोहम्मद यूनुस मानवता का गुनहगार है। जिस तरह हिंदुओं का कत्लेआम हो रहा है वह राज्य प्रायोजित है। पहले यूनुस से नोबल वापस ले लेना चाहिए। भारत सरकार सैन्य कार्रवाई कर मजहबी उन्मादियों को सबक सिखाए। मजहबी उन्मादी कहीं के हों, अब उनके खिलाफ सड़क पर उतरने और समाज से बेदखल करने का वक्त आ गया है। मुस्लिम महिला फाउंडेशन की नेशनल सदर नाजनीन अंसारी ने कहा कि जिस देश को हिंदुस्तान ने आजादी दिलाई, आज वही देश भारत को तोड़ने की बात कर रहा है। हिंदुओं की हत्या करने वाले कातिलों को बख्शा न जाए।

सड़क दुर्घटना रोकने के लिए यातायात पुलिस ने किया वाहन चेकिंग

सिद्धार्थनगर जिले के पुलिस अधीक्षक डाङ्क अभिषेक महाजन के आदेश के अनुपालन के क्रम मे,अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के निर्देशन मे, क्षेत्राधिकारी यातायात सुजीत कुमार राय के कुशल पर्यवेक्षण मे प्रभारी यातायात अमरेश कुमार मय टीम द्वारा साड़ी तिराहा, पावर हॉउस तिराहा, सिद्धार्थ तिराहा, पेट्रोल पम्प तिराहा एवं कस्बा बाँसी आदि स्थानों पर पीङ्क एङ्क सिस्टम से आम जनमानस को जागरूक किया गया तथा शासन के मंशा के अनुरूप विशेष अभियान के तहत बाँसी-नौगढ़ स्थित पेट्रोल पम्पो पर बिना हेलमेट फ्यूल न देने के आदेश के सम्बन्ध अवगत कराते हुए बिना हेलमेट फ्यूल लेने वालो के खिलाफ ट.

श. अू३. के तहत प्रवर्तन की कार्यवाही की गयी एवं कुहरों से बचाव हेतु वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाने के साथ-साथ सड़को के किनारे अवैध रूप से खड़े बड़े वाहनों को जिनसे दुर्घटना की प्रबल संभावना/जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही थी उनका ट. श. अू३ के तहत चालान कर हटवाया गया साथ ही चार पहिया वाहनों मे सीटबेल्ट का प्रयोग न करना/बिना हेलमेट दो पहिया वाहन चलाने तथा दो पहिया वाहन पर तीन सवारी, गलत दिशा मे वाहन चलाने वालो का चालान करने समेत कुल 48 वाहनों का चालान करते हुए 61,500/- रुपए शमन शुल्क की कार्यवाही करते हुए प्रत्येक दशा मे यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया गया, जिससे होने वाली सड़क दुर्घटनाओ की संख्या मे भारी कमी लायी जा सके।

डीएम के सामने युवक ने किया आत्मदाह का प्रयास

कानपुर। दबंगों द्वारा घर की नाली बंद करने और पुलिस द्वारा सुनवाई न होने से आहत करबिगवा के एक युवक ने तहसील में जिलाधिकारी के सामने आत्मदाह का प्रयास किया। तहसील परिसर में अफरा तफरी का माहौल हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। कानपुर में नरवल थाना क्षेत्र के करबिगवा गांव की वृद्धा रानी देवी (80) पत्नी स्व. महावीर का कच्चा मकान पानी से भरकर गिरने की कगार पर है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि पड़ोसी सतेंद्र सिंह ने अपने पुत्रों अमर सिंह, अभय सिंह और अखिलेश के साथ मिलकर घर से पानी निकालने वाली नाली को बंद कर दिया है। वृद्धा ने नरवल थाने से लेकर मुख्यमंत्री तक दर्जनों शिकायती पत्र दिए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। दबंगों ने उसके पुत्र बौवन को 14 दिसंबर को बुरी तरह पीटा था और जब परिवार थाने पहुंचा, तो थाना प्रभारी ने अभद्रता करते हुए भगा दिया। न्याय की गुहार लगाते हुए वृद्धा का पुत्र बौवन अपनी मां को लेकर नरवल तहसील पहुंचा और पेट्रोल की बोतल लेकर आत्मदाह का प्रयास किया। जिससे तहसील परिसर में अफरा तफरी का माहौल बन गया।

संक्षिप्त खबरें

अपहरण का एक वांछित अभियुक्त चढ़ा पुलिस के हत्थे

सिद्धार्थनगर जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन व रोहिनी यादव क्षेत्राधिकारी बाँसी के कुशल पर्यवेक्षण अनूप

कुमार मिश्र थानाध्यक्ष थाना खेसरहा के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना खेसरहा पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 217/2025 धारा धारा 87,142 बीएनएस से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त कल्लु उर्फ नवीहसन पुत्र शौकत अली निवासी छोटा बेलउख थाना खेसरहा जनपद सिद्धार्थनगर को बांसी बखिरा मार्ग पर मरवटिया मोड़ के पास से उप निरीक्षक रवि प्रताप सिंह सेगर उप निरीक्षक गिरिजा सुवन श्रीवास्तव, हेड कांस्टेबल सर्वेश यादव, हेड कांस्टेबल धर्मेन्द्र कुमार की टीम द्वारा गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा ।

पुलिस ने तीन नफर वारंटीगण को किया गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में, प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन, मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ के कुशल पर्यवेक्षण में राजेश कुमार गुप्ता प्रभारी निरीक्षक थाना चिल्हिया नेतृत्व में अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान वांछित/वारण्टी के क्रम में वाद सं0-4008/22 धारा-323,504 भा0द0वि0 सरकार बनाम गाजे से सम्बन्धित वारंटी गाजे व विफ्फन उर्फ विक्कन पुत्रगण सुरेश निवासीगण भोला परसा थाना चिल्हिया जनपद सिद्धार्थनगर तथा वाद सं0-2766/2016 धारा-504,506 भा0द0वि0 सरकार बनाम रामनवल थाना चिल्हिया से सम्बन्धित वारंटी रामनवल पुत्र जीते निवासी कटया से उप निरीक्षक शारदा प्रसाद, उप निरीक्षक वीरेन्द्र सिंह यादव, कास्टेबल दिनेश यादव, कास्टेबल चन्द्रजीत यादव की टीम ने गिरफ्तार कर आवश्यक कार्यवाही करते हुए न्यायालय भेजा।

24,935 विद्यार्थियों ने किया छात्रवृत्ति के लिए आवेदन

बस्ती। कक्षा नौ-10 और कक्षा 11 व 12 में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए आवेदन किया है। चालू सत्र में कुल 24935 छात्र-छात्राओं ने अर्जी दी है। इन आवेदनों को अग्रसारित कर दिया गया है, जहां से एनआईसी के जरिये शासन को भेज दिया गया है। इस साल करीब दो हजार बच्चे बढ़ गए हैं। जनपद में शैक्षिक सत्र 2025-26 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनांतर्गत छात्र-छात्राओं की ओर से ऑनलाइन किए गए आवेदनों को विभागों और शिक्षण संस्थाओं ने आगे बढ़ा दिया है। प्रदेश सरकार की ओर से जारी समय सारणी के अनुसार शिक्षण संस्थानों के स्तर से लंबित आवेदनों को अग्रसारित करने की अंतिम तिथि छह दिसंबर निर्धारित थी। जिसमें छात्रवृत्ति योजनांतर्गत कक्षा 9-10 के सामान्य वर्ग में 424 और अनुसूचित जाति के 11466, कक्षा 11-12 के अनुसूचित जाति वर्ग के 8892 और सामान्य वर्ग के 4153 इस प्रकार (कुल 24935) आवेदन शिक्षण संस्थाओं और विभागों के जरिये आए थे, जिसको अग्रसारित कर दिया गया है। जिला समाज कल्याण अधिकारी लालजी यादव ने बताया कि जितने आवेदन आए थे, उसे अग्रसारित कर दिया गया है। एनआईसी को डाटा भेज दिए हैं। अब शासन स्तर से जांच कर सूची मिलेगी। जिसमें खामियां होंगी, उन आवेदनों को कॉलेज स्तर पर निस्तारण के लिए भेजा जाएगा। समयावधि में त्रुटिपूर्ण आवेदन पत्र निस्तारित करके फिर से भेज दिया जाएगा।

प्राथमिक स्कूल में आदर्श पुस्तकालय शुरू

बस्ती। सदर विकास क्षेत्र प्राथमिक विद्यालय भुअर निरंजनपुर में शुक्रवार को आदर्श पुस्तकालय की स्थापना की गई। मुख्य अतिथि सीडीओ सार्थक अग्रवाल ने मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के बाद फीता काटकर पुस्तकालय का शुभारंभ किया। सीडीओ ने पुस्तकालय के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बच्चों में पढ़ने की रूचि बढ़ाने के लिए पुस्तकालय की भूमिका को अहम बताया। इस दौरान बच्चों के साथ शैक्षिक गतिविधिसयों में सीडीओ ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने बच्चों से मुखर वाचन कराया। उन्होंने स्वयं बच्चों के साथ पांच खंभों वाला गांव पुस्तक से कहानी का मुखर वाचन एवं संवाद किया। इस मौके पर बीएसए अनूप कुमार तिवारी, दिव्यांश त्रिपाठी, आलोक त्रिपाठी, धीरेंद्र मिश्रा, तसनीम कौसर, कृतज्ञा कीर्ति मौजूद रहे।

आज से 1500 से अधिक खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

बस्ती। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग की ओर से आयोजित उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग के तहत पांचों विधानसभा क्षेत्र में हुई विधायक खेल स्पर्धा के विजयी हुए खिलाड़ी अब सांसद खेल स्पर्धा में हिस्सा लेंगे। इस प्रतियोगिता में करीब 1062 खिलाड़ियों ने आठ खेलों में जीत हासिल की है। ये खिलाड़ी शहर के शहीद सत्यवान सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम बस्ती में होने वाली सांसद खेल स्पर्धा प्रतियोगिता में अपना हुनर दिखाएंगे। साथ ही चार से पांच सौ स्थानीय खिलाड़ी भी इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। वहीं, स्पर्धा के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। खेल की तिथि 20 और 21 निर्धारित है। जिले में नवंबर माह में अलग-अलग तिथियों में बस्ती सदर, हरैर्या, रुधौली, कप्तानगंज और महादेवा विधानसभा क्षेत्र में विधायक खेल स्पर्धा के आयोजन किए गए थे। इसमें सब जूनियर, जूनियर व सीनियर वर्ग में एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, कबड्डी, कुश्ती, भारोत्तोलन, बैडमिंटन फुटबॉल व जूडो में करीब 1062 खिलाड़ी विजेता हुए हैं। इन खेलों को कराने के लिए विधानसभावार क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारियों की जिम्मेदारी दी गई थी। अलग-अलग आयु वर्ग में विजेता खिलाड़ी अब शहीद सत्यवान सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम बस्ती में शनिवार से होने वाली सांसद खेल स्पर्धा के लिए तैयार हैं। खेल आयोजन की जिम्मेदारी क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी को सौंपी गई है। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले अलग-अलग आयु वर्ग के खिलाड़ियों की लिस्ट तैयार है। युवा कल्याण विभाग से 1062 और स्थानीय स्तर पर चार से पांच सौ खिलाड़ी शामिल हो रहे हैं।

सूर्यकुमार की खराब फॉर्म से चिंतित नहीं तिलक, कप्तान का किया बचाव

अहमदाबाद। तिलक वर्मा ने कप्तान सूर्यकुमार यादव का समर्थन किया है। तिलक का कहना है कि भारतीय टी20 कप्तान को फॉर्म में वापस आने के लिए सिर्फ एक पारी की जरूरत है। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं, लेकिन तिलक वर्मा इससे चिंतित नहीं हैं। तिलक का मानना है कि सूर्यकुमार यादव को फॉर्म में वापसी करने के लिए सिर्फ एक पारी की जरूरत है। सूर्यकुमार की खराब फॉर्म दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी जारी रही। पिछले साल टी20 विश्व कप होना है और इससे पहले कप्तान का लय में होना भारत के लिए चिंता की खबर है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खामोश रहा सूर्यकुमार का बल्ला सूर्यकुमार पिछले लंबे समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। हालांकि, भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 3-1 से हराकर सीरीज अपने नाम कर ली। टी20 विश्व कप के लिए शनिवार को भारतीय टीम का एलान भी होना है।

लेखपाल भर्ती मामला

मुख्यमंत्री ने अपनाया कड़ा रुखचेयरमैन को दी चेतावनी

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी के कड़े रुख के बाद रेवेन्यू बोर्ड हरकत में आया।लेखपाल भर्ती के मामले में मचे हो हल्ला के बाद मुख्यमंत्री ने कड़ा रुख अपनाया। लेखपाल भर्ती में अधियाचन प्रक्रिया को लेकर सीएम योगी के सख्त निर्देश के बाद में राजस्व परिषद ने आदेश जारी किया है।राजस्व परिषद आयुक्त ने यूपीएसएसएससी को पत्र लिखा है।आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद कंचन वर्मा ने साफ निर्देश दिए हैं कि एक हफ्ते में लेखपाल पद के अधियाचन के क्रम में पदों की संशोधित सूचना दें।सीएम योगी आदित्यनाथ ने अधियाचन प्रक्रिया में शिकायत मिलने पर चेयरमैन राजस्व परिषद को चेतावनी दी थी। वर्तमान में रिक्त 7994 लेखपाल पदों की संख्या की जॉच करते हुए तत्काल नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे।7994 खाली पदों पर वर्टिकल और हॉरिजॉटल आरक्षण करने के सीएम ने निर्देश दिए थे।मुख्यमंत्री ने साफ कहा,किसी के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं। डबल इंजन की सरकार में भ्रष्टाचार की कोई जगह नहीं है। उन्होंने 27 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग, 21 प्रतिशत अनुसूचित जाति तथा 02 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति का वर्टिकल आरक्षण अक्षरशः लागू करने के निर्देश दिए थे। जहां जीरो टॉलरेंस की बात हो रही हो और भर्ती के नाम पर किरकिरी हो तो मुख्यमंत्री कहां बर्दाश्त करने वाले हैं।

एसएसबी स्थापना दिवस: सीएम योगी और केशव मौर्य ने वीर जवानों और उनके परिजनों को दी बधाई

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के स्थापना दिवस पर वीर जवानों और उनके परिजनों को बधाई दी। योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर लिखा, सेवा, सुरक्षा और समर्पण के जीवंत प्रतीक सशस्त्र सीमा बल के स्थापना दिवस की सभी वीर जवानों एवं उनके परिजनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।योगी ने कहा, राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा के लिए आपकी निष्ठा वंदनीय है। जय हिंद!। वहीं उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी ह्यएक्सह्ल पर लिखा, सेवा-सुरक्षा-बन्धुत्व! समस्त वीर जवानों एवं देशवासियों को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!उन्होंने कहा कि सीमाओं की सुरक्षा से लेकर आंतरिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन तक, एसएसबी के जवानों का अदम्य साहस, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण अति प्रशंसनीय है। मौर्य ने कहा, मां भारती की सेवा में सदैव तत्परता से राष्ट्र की सीमाओं की रक्षा में तैनात सभी वीरों को सादर नमन! जय हिन्द!उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी कहा, देश की सीमा की सुरक्षा करने वाले मां भारती के वीर जवानों को सशस्त्र सीमा बल की स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। उल्लेखनीय है कि लगभग 80,000 कर्मियों वाला एसएसबी 2001 से 1,751 किलोमीटर लंबी भारत-नेपाल सीमा और 2004 से 699 किलोमीटर लंबी भारत-भूटान सीमा की रक्षा करता है।

बिहार में नकाब हटाने का मामला दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण, सीएम नीतीश कुमार खेद जताकर विवाद खत्म करें: मायावती

लखनऊ(संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक मुस्लिम महिला के नकाब हटाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह मामला सुलझने के बजाय मंत्रियों, नेताओं की बयानबाजी के कारण तूल पकड़ता जा रहा है, जो दुःखद व दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इस मामले पर खेद जताने और विवाद को खत्म करने को कहा। मायावती ने अपने आधिकारिक ह्यएक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र वितरण के सार्वजनिक कार्यक्रम में एक मुस्लिम महिला डॉक्टर का नकाब हटाने का मामला सुलझने के बजाय लगातार तूल पकड़ता जा रहा है और खासकर मंत्रियों आदि की बयानबाजी के कारण इसने विवाद का रूप ले लिया है जो दुःखद व दुर्भाग्यपूर्ण है। मायावती ने कहा, यह मामला पहली नजर में ही महिला सुरक्षा व सम्मान से जुड़ा होने के कारण माननीय मुख्यमंत्री के सीधे हस्तक्षेप से अब तक सुलझ जाना चाहिए था खासकर तब जब कई जगहों पर ऐसी अन्य घटनाएं भी सुनने को मिल रही हैं। बसपा प्रमुख ने सलाह दी, अच्छा होगा कि मुख्यमंत्री इस घटना को सही परिप्रेक्ष्य में देखते हुए इसके लिए पश्चाताप कर लें और कड़वा होते जा रहे इस विवाद को यहीं पर खत्म करने का प्रयास करें।

कोहरे की चादर में लिपटी यूपी,50 जिलों में रेड अलर्ट

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में भीषण ठंड और घने कोहरे का कहर जारी है। लगभग पूरी यूपी घने कोहरे में लिपटी रही। शनिवार के लिए मौसम विभाग ने यूपी के 50 जिलों में अत्यधिक घने कोहरे का रेड अलर्ट जारी किया है। तराई और पूर्वी यूपी समेत लगभग 40 जिलों के लिए अत्यधिक शीतदिवस की चेतावनी है यानी इन जिलों में दिन के तापमान में भारी गिरावट के आसार हैं।आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि रविवार से यूपी में लगातार दो पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहे हैं। इसके असर से दिन के तापमान में 2 डिग्री तक की बढ़त आएगी, साथ ही कोहरे के घनत्व में थोड़ी कमी आएगी। वाराणसी प्रयागराज कानपुर दिल्ली और उत्तराखंड से सटे जिलों में घने कोहरे के साथ सर्द पछुआ हवाएं चलीं। लखनऊ समेत उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान में भारी गिरावट दर्ज हुई।घने कोहरे

से आगरा,बरेली,कुशीनगर और गोरखपुर में सुबह के समय दृश्यता शून्य तक पहुंच गई। बहराइच में 20 मीटर,अलीगढ़ और फरुर्खाबाद में 30 मीटर तक दृश्यता रही।यूपी के कई जिलों में अत्यधिक घने कोहरे कामौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया,इसमे कौशांबी प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़,वाराणसी, भदोही, जौनपुर,गाजीपुर, आजमगढ़,बलिया, देवरिया, मऊ गोरखपुर, संतकबीरनगर बस्ती कुशीनगर महाराजगंज, सिद्धार्थनगर ,गोंडा,बलरामपुर ,श्रावस्ती,बहराइच,लखीमपुर खीरी,कन्नौज , कानपुर देहात,कानपुर नगर,उन्नाव,रायबरेली,अमेठी, सुल्तानपुर ,अयोध्या, अंबेडकरनगर, सहारनपुर, शामली ,मुजफ्फरनगर ,बागपत ,मेरठ, मथुरा ,हाथरस, एटा,आगरा ,फिरोजाबाद ,मैनपुरी,इटावा ,औरेया ,बिजनौर ,मुरादाबाद, रामपुर,बरेली और पीलीभीत है। यूपी के कुछ जिलों में दिन के पारे में बड़ी गिरावट के आसार हैं ।

अखिलेश ने की सेना में अहीर रेजिमेंट बनाने और सैन्य स्कूल खोलने की मांग

लखनऊ(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को भारतीय सेना में अहीर रेजिमेंट बनाने की अपनी पुरानी मांग को दोहराया और कहा कि यह समुदाय के सैनिकों की बहादुरी एवं बलिदान को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अखिलेश यादव ने यहां कई पूर्व सैनिकों को सम्मानित करने के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि अहीर रेजिमेंट की मांग नई नहीं है और इसे पहले भी पार्टी के घोषणापत्र में शामिल किया गया था। जिन पूर्व सैनिकों को इस कार्यकम उनमें 1962 के युद्ध में लड़ने वाले जवान भी शामिल थे। उन्होंने कहा, ह्लआज (शनिवार को) जब हम इन बहादुर सैनिकों का सम्मान कर रहे हैं, जिन्होंने देश और उसकी जमीन की रक्षा के लिए अपनी जान की परवाह किए बिना लड़ाई लड़ी, तो हम उनके सम्मान और रेजिमेंट के सम्मान के लिए सेना में अहीर रेजिमेंट की मांग को भी फिर से दोहराते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर दूसरी रेजिमेंट बनाने की भी मांगें हैं, तो उन्हें भी आगे आना चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि युद्ध में बहादुरी दिखाने वाले जवानों को सम्मानित करने का शनिवार का कार्यक्रम लगभग 10 दिन पहले तय किया गया था लेकिन ह्यइंडिगोह्ल (विमान कंपनी) संकट और संसद सत्र के कारण इसे टाल दिया गया था। उन्होंने भारत की आजादी और देश की रक्षा में योगदान देने वाले सैनिकों से मिलना व उन्हें सम्मानित करना अपना सौभाग्य बताते हुए कहा कि ऐतिहासिक लड़ाइयों में भारतीय सैनिकों द्वारा दिखाई गई बहादुरी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहती है। अखिलेश यादव ने चीन के साथ 1962 के संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि वृत्तचित्र और ऐतिहासिक रिकॉर्ड दिखाते हैं कि कैसे भारतीय सैनिकों ने रेजांग ला में देश की जमीन की रक्षा के लिए ह्यआखिरी गोली और आखिरी आदमी तकह्ल लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा, ह्लहर सैनिक को कई दुश्मन सैनिकों से लड़ना पड़ा और उन्होंने भारत की जमीन की रक्षा करते हुए हजारों चीनी सैनिकों का सामना किया। अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार से खासकर उत्तर प्रदेश में अधिक संख्या नें सैन्य स्कूल स्थापित करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि देश में केवल पांच सैन्य स्कूल हैं, जिसमें राजस्थान व कर्नाटक में दो-दो और हिमाचल प्रदेश में एक स्कूल शामिल है जबकि उत्तर प्रदेश में एक भी इस प्रकार का विद्यालय नहीं है।

पत्रकारों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर कल

लखनऊ(संवाददाता)। यूपी प्रेस क्लब और मेदांता अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में पत्रकारों और परिवारिजनों के लिए 22 दिसंबर को निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजनकिया जा रहा है।सुबह11 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्रेस क्लब के प्रांगण में शिविर में सामान्य रोग विशेषज्ञ के परामर्श के अलावा ब्लड शुगर टेस्ट ,ईसीजी, ब्लड प्रेशर जांच, नब्ज एसपीओ 2, मॉनिटरिंग और बोन मिनरल डेंसिटी टेस्ट भी होगा।

योगी सरकार के विजन से मिली नई राह

लखनऊ(संवाददाता)। जब हालात इंसान को चारों तरफ से घेर लेते हैं और रास्ते बंद नजर आने लगते हैं तब या तो व्यक्ति टूट जाता है या फिर इतिहास रचता है। लखीमपुर खीरी के मुजाहिद शेख ने दूसरा रास्ता चुना। डिप्रेशन, आर्थिक तंगी और सामाजिक उपेक्षा से गुजरते हुए उन्होंने न केवल खुद को संभाला बल्कि एक ऐसी पहचान बनाई जो आज उत्तर प्रदेश सरकार के ह्यमुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियानह्ल की मिसाल बन चुकी है। यह कहानी केवल एक युवक की नहीं, बल्कि उस सोच की है जिसमें योगी आदित्यनाथ सरकार के विजन से जीवन, संघर्ष से सफलता में बदल जाता है।लखीमपुर खीरी जैसे कृषि प्रधान जिले में पले-बढ़े मुजाहिद का परिवार पूरी तरह से खेती पर निर्भर था। समय के साथ खेती की लागत बढ़ती गई लेकिन आमदनी घटती चली गई। परिवार की जरूरतें बढ़ीं। बच्चों की परवरिश और भविष्य की चिंता ने आर्थिक दबाव को और गहरा कर दिया। मेहनत के बावजूद जब हालात नहीं बदले तो निराशा मन में घर करने लगी।लगातार तनाव ने मुजाहिद को डिप्रेशन की स्थिति में पहुंचा दिया। मानसिक संघर्ष के इस दौर में उन्हें सहयोग की जगह ताने मिले। लोग मजाक बनाने लगे। आत्मविश्वास टूटने लगा और भविष्य धुंधला नजर आने लगा। लखीमपुर खीरी में ही उन्हें समय पर इलाज और काउंसलिंग मिली जिससे उन्हें दोबारा सकारात्मक सोचने और खड़े होने की ताकत दी। उनके जीवन का तीन साल डिप्रेशन में बीत गए थे।स्वास्थ्य में सुधार के बाद मुजाहिद के सामने सबसे बड़ा सवाल आजीविका का था। इसी मोड़ पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चलाई जा रही मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान उनके जीवन में निर्णायक साबित हुई। बिना गारंटी और ब्याज मुक्त ऋण की सुविधा ने उस डर को खत्म कर दिया, जो वर्षों से उन्हें आगे बढ़ने से रोक रहा था।

ईंट भट्टों के विनियमन से हुई 193.5 करोड़ की आय,प्रदूषण नियंत्रण में भी सफलता

लखनऊ(संवाददाता)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में ईंट भट्टों के विनियमन के लिए जनपद स्तरीय समितियों का गठन किया गया, जिससे ईंट भट्टों के संचालन का नियमितीकरण हुआ। एनजीटी के मानकों के अनुरूप प्रदूषण स्तर में कमी लाने में भी उपाय लागू किये जा सके हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में ईंट भट्टों से 193.5 करोड़ रुपये विनियमन शुल्क के रूप में आय की प्राप्ति हुई है। जो राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि को दशार्ता है, पर्यावरण संरक्षण और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने की दिशा में उपलब्धि है।मुख्य सचिव की समीक्षा बैठक में विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सत्यापन समितियों ने भट्टा मालिकों से विनियमन शुल्क का शत-प्रतिशत वसूली की, जिसके फलस्वरूप राज्य को लगभग 193.5 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई है, जो पिछले वर्षों में प्राप्त विनियम शुल्क की तुलना में अधिक है। सत्यापन अभियान के तहत प्रदेश में चल रहे हजारों की संख्या में अवैध ईंट भट्टों को बंद कराया ,कई भट्टों में मानक के अनुरूप प्रबंधन कराकर मानकीकृत किया गया है। समितियों का संचालन डीएम, एडीएम, एसडीएम, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी, स्थानीय पुलिस और पर्यावरण विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है । ईंट भट्टों के जनपद स्तरीय सत्यापन से न केवल राजस्व में वृद्धि हुई है, बल्कि अवैध ईंट भट्टों के संचालन में 70 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई है। ईंट भट्टों का संचालन में राष्ट्रीय हरित अधिकरण एनजीटी के मानकों के कड़ाई से अनुपालन ने वायु प्रदूषण नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वैध भट्टों को जिग-जैग तकनीक, ऊंची चिमनियां, कम प्रदूषणकारी ईंधन का उपयोग अनिवार्य किया गया। समितियों ने सत्यापन के दौरान 80 प्रतिशत भट्टों को एनजीटी अनुपालन प्रमाणित किया गया, जबकि बाकी को सुधार के लिए समय दिया गया है। वायु प्रदूषण के मामले में लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, आगरा के साथ राज्य के दिल्ली एनसीआर के जिलों में कमी दर्ज की गई। ईंट भट्टों के सत्यापन के लिए बनाई गई जनपद स्तरीय समितियों के सफल संचालन से न केवल प्रदेश को आर्थिक लाभ हुआ है, बल्कि सतत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

कस्तूरबा आवासीय विद्यालयों में होगी शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक पदों पर भर्ती

लखनऊ(संवाददाता)। योगी सरकार कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों के माध्यम से बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की ओर अग्रसर है। जालौन जिले में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए विभिन्न शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक पदों पर संविदा के माध्यम से पूर्णकालिक, अंशकालिक पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू हुई है। रिक्त पदों पर महिला अभ्यर्थियों की नियुक्ति की जाएगी।हिंदी और संस्कृत विषय के लिए पूर्णकालिक शिक्षिका के 2 पद, गणित में पूर्णकालिक शिक्षिका के 1 पद, सामाजिक विज्ञान में पूर्णकालिक शिक्षिका के 2 पद, कला क्राफ्ट, संगीत, गृहशिल्प में अंशकालिक शिक्षिकाओं के 2 पद, कम्प्यूटर में अंशकालिक शिक्षिका के 1 पद, मुख्य रसोइया के पूर्णकालिक 6 पद, सहायक रसोइया के पूर्णकालिक 10 पद, परिचारक पूर्णकालिक 1 पद और चौकीदार के पूर्णकालिक 2 पदों पर भर्ती होगी। सभी पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। पदों के लिए आवेदन पत्र का प्रारूप, दिशा निर्देश जालौन जिले की एनआईसी की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। स्पीड पोस्ट अथवा रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से भेजे गए आवेदन पत्र 6 जनवरी 2026 तक जालौन के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय को प्राप्त हो जाने चाहिए।

बदलते उत्तर प्रदेश की महिलाएं मोहताज नहीं-दीपा रंजन

लखनऊ(संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में चल रही महिला सशक्तिकरण योजनाओं का असर अब गांव-गांव नजर आने लगा है। झांसी जिले के डिगारा गांव की रंजना गौतम की कहानी इसी बदलाव की गवाही देती है। पति की गंभीर दुर्घटना के बाद जिस परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया था, आज वही परिवार आत्मनिर्भरता की मिसाल बन चुका है। आज रंजना की मासिक आय करीब 20 हजार रुपए और वार्षिक आय लगभग 2.5 लाख रुपए तक पहुंच चुकी है। वह न केवल अपने परिवार का खर्च चला रही हैं, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं को रोजगार देकर उन्हें भी आत्मनिर्भर बना रही हैं। अपनी कमाई से बच्चों की पढ़ाई, घर का खर्च और भविष्य की जरूरतें पूरी कर रही हैं।डिगारा गांव निवासी 24 वर्षीय रंजना गौतम की जिंदगी उस समय बदल गई, जब विवाह के बाद एक हादसे में उनके पति काम करने में असमर्थ हो गए। परिवार की आय का एकमात्र स्रोत बंद हो गया। विषम परिस्थितियों में रंजना ने हालात से हार मानने के बजाय परिवार की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाने का निर्णय लिया।योगी सरकार की योजनाओं और स्वयं सहायता समूह के सहयोग से रंजना ने बैंक से ऋण लेकर हार्डवेयर रिटेल व्यवसाय की शुरूआत की। शुरूआती दौर में घर की जिम्मेदारी, पति की देखभाल और नए व्यवसाय को संभालना आसान नहीं था, लेकिन निरंतर मेहनत और सीखने की इच्छा ने रास्ता आसान किया। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मिशन निदेशक दीपा रंजन ने बताया कि लखपति दीदियों को आगे बढ़ाकर करोड़पति दीदियां बनाना ही हमारा उद्देश्य है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के तहत मिले प्रशिक्षण, मार्केटिंग की समझ और नई तकनीक की जानकारी ने रंजना के व्यवसाय को मजबूती दी है। यह कहानी सिर्फ एक महिला की नहीं, बल्कि उस बदलते ग्रामीण उत्तर प्रदेश की है, जहां महिलाएं अब सहायता की मोहताज नहीं, बल्कि परिवार और समाज की मजबूत आधारशिला बन रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

गोलमोल जवाब न देकर कोडिन माफिया के साथ फोटो की हकीकत बताये सपा अध्यक्ष- खन्ना

लखनऊ(संवाददाता)। वित्त व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कोडिनयुक्त कफ सिरप मामले मे साफ तौर पर कहा कि योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत बड़े-बड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई हुई है। जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। सुरेश खन्ना ने समाजवादी पार्टी को भी घेरा। उन्होंने कहा कि कोडिन माफिया के साथ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का फोटो आया है, इसलिए गोलमोल जवाब देने की बजाय वे कोडिन माफिया के साथ फोटो की हकीकत बताएं। पूरा देश इस फोटो के पीछे की बात जानना चाहता है। कफ सिरप से देश में हुई बच्चों की मौत पर भी सपा ने कुछ नहीं बोला। बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थ की तस्करी हुई और इससे मौतें हुईं, लेकिन इस पर कुछ नहीं बोला गया। पकड़े गए लोगों का किसी न किसी रूप में समाजवादी पार्टी के लोगों से संबंध है। यूपी सरकार ने साफ कर दिया है कि इससे उत्तर प्रदेश में एक भी मौत नहीं हुई है। बावजूद इसके योगी सरकार ने इस मामले में तत्परता से कार्रवाई की। हमारी सरकार का उद्देश्य है कि जिस प्रकार नशा मुक्त भारत हो, उसी प्रकार नशा मुक्त उत्तर प्रदेश भी हो। इसी के तहत व्यापक पैमाने पर कार्रवाई की गई है। कोडिन युक्त सिरप गंभीर खांसी के मरीजों के इलाज के लिए है। यह उन मरीजों को दिया जाता है, जिसे डॉक्टर लिखते हैं। मेडिकल स्टोर के लिए अनिवार्य है कि उन्होंने किसे कितनी दवाई दी, इसका रजिस्टर मेंटेन करें। इसकी स्मलिंग बड़े पैमाने पर की गई। नशे के रूप में इस्तेमाल करने के लिए उसे नेपाल व बांग्लादेश भेजा गया। इस अपराध के खिलाफ उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई की है। एफएसडीए व पुलिस विभाग के सहयोग से एसआईटी बनाई गई।

अंतरराष्ट्रीय विद्वानों ने मनोविज्ञान, भू-राजनीति, पारिस्थितिकी पर विचार रखे

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में प्रथम जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन (लखनऊ समिट) के दूसरे दिन अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने जलवायु परिवर्तन के बहुआयामी प्रभावों पर गहन विमर्श किया। यह सम्मेलन इकोसॉफिकल फाउंडेशन फॉर द स्टडी ऑफ लिटरेचर एंड एनवायरनमेंट (ईएफएसएलई), नई दिल्ली और नेशनल पीजी कॉलेज, लखनऊ द्वारा 19 से 21 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में मनोविज्ञान, भू-राजनीति, पारिस्थितिकी और संस्कृति के दृष्टिकोण से जलवायु परिवर्तन के विषय को विस्तार से प्रस्तुत किया गया। दूसरे दिन का शुभारंभ अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलाइना, चौपल हिल की प्रो. सेरेनेला आयोवीनो के मुख्य भाषण से हुआ। प्रो. आयोवीनो ने ह्यद जियोसाइकोलॉजी ऑफ क्लाइमेट चेंज एनिमल्स, आर्क्स, एंड द मेकिंग ऑफ द ह्यूमन माइंडह्ल विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने जलवायु संकट के संदर्भ में मानव और अमानव संबंधों के मनोवैज्ञानिक व सांस्कृतिक पहलुओं पर प्रकाश डाला, और बताया कि पशु मानव सभ्यता के प्रथम शिक्षक रहे हैं। इसके बाद इटली की यूनिवर्सिटी ऑफ मिलान की प्रो. आंद्रेया लावात्सा (वर्चुअल) और बीएत्रिसे पेद्रेन्टी ने ह्यक्लाइमेट ट्रॉमा एंड कॉग्निटिव हेल्थह्ल विषय पर शोध प्रस्तुत किया। उन्होंने इटली के एमिलिया-रोमाग्ना क्षेत्र में आई बाढ़ के पीड़ितों पर आधारित अध्ययन के माध्यम से जलवायु आपदाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में बताया। दिन के उत्तरार्ध में, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने भारतीय ज्ञान परंपराओं के आलोक में पारिस्थितिक चेतना पर अपने विचार साझा किए।

नगर निगम के लाइसेंस फीस बढ़ने पर व्यापारियों का धरना प्रदर्शन

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में ट्रेड लाइसेंस का शुल्क बढ़ाने पर शहर के सैकड़ों व्यापारी आज (शनिवार को) नगर निगम मुख्यालय पहुंच गए। उन्होंने मुख्यालय का गेट बंदकर उसके सामने बैठकर धरना दिया। व्यापारियों का कहना था कि नगर निगम जबरदस्ती कर रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा के हस्तक्षेप के बाद फीस बढ़ाने का फैसला पिछले साल वापस ले लिया था, लेकिन अब फिर से उसे लागू किया जा रहा है। लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा ने कहा अब आश्वासन नहीं सुना जाएगा। एक साल का आश्वासन नहीं मानेंगे। आंदोलन को दुनिया पहचानती है। हम आंदोलन करेंगे। पहले ही व्यापारी तमाम तरीके का टैक्स दे रहा है, जिनकी कोई सुविधा नहीं मिल रही है। ऐसे में फिर व्यापारियों को ही टारगेट किया गया है। इसी के विरोध में लखनऊ व्यापार मंडल सहित अन्य संगठनों से जुड़े व्यापारियों में आक्रोश है। मेयर सुषमा खर्कवाल धरना दे रहे व्यापारियों के बीच पहुंच चुकी हैं। उन्होंने व्यापारियों को मना लिया जिससे व्यापारियों ने धरना खत्म करने की घोषणा की। मेयर ने कहा कि 2-9-2024 को विषय को रखा गया तो कार्यकारिणी ने इसे वापस कर लिया था। फिर नगर निगम ने क्यों इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया? व्यापारी हमारा परिवार है। उनकी समस्या का समाधान किया जाएगा।

पंकज चौधरी की कृपादृष्टि देश के खजाने पर,जेपी नड्डा के सामने बोले ब्रजेश पाठक

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने यूपी बीजेपी के नवनियुक्त अध्यक्ष पंकज चौधरी से कहा आपकी कृपादृष्टि देश के खजाने पर है। वही कृपा लखनऊ और केजीएमयू पर भी कीजिए। यह बात उन्होंने केजीएमयू के 21वें दीक्षांत समारोह में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के सामने कही। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से केजीएमयू को इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल इंपोर्टेंस बनाने की मांग की। दीक्षांत समारोह में पीएम मोदी के एडवाइजरी काउंसिल के चेयरपर्सन प्रो. अजय सूद को मानद उपाधि दी गई। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने की। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह विशिष्ट अतिथि के तौर पर पहुंचे। समारोह में कुल 2431 स्टूडेंट्स को ऑनलाइन डिग्री दी गई। इनमें 81 मेधावियों को मेडल और अवॉर्ड देकर सम्मानित किया जाएगा। इनमें 48 छात्राएं और 33 छात्र हैं। समारोह में 100 गोल्ड मेडल, 7 सिल्वर, 2 बुक प्राइज, 3 कैश प्राइज और 7 को सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर मिलेगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, यूपी के स्वास्थ्य मंत्री के स्वागत में केजीएमयू परिसर को पोस्टर-बैनर-होर्डिंग से पाट दिया गया। वाइस चांसलर डॉ. सोनिया नित्यानंद ने कहा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रीजी, आपकी पहल से ऑर्गन ट्रांसप्लांट में जागरूकता आई है। इसके चलते 2024 में कुल 18 हजार 900 ट्रांसप्लांट हुए हैं। फिलहाल, यहां 62 डिपार्टमेंट हैं। इनमें 53 मेडिकल, 9 डेंटल विभाग हैं। 540 यूजी, 677 पीजी की सीट हैं। 4250 बेड है। रोज 8 से 10 हजार मरीज ओपीडी में आते हैं। इसके अलावा 500 मरीज रोज ट्रॉमा सेंटर में आते हैं। इस तरह से यह एशिया का सबसे बड़ा हॉस्पिटल भी है।

संपादकीय

चूक से हादसे

लोकसभा में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का वह बयान तार्किक ही है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत में अधिकतर सड़क दुर्घटनाएं मानवीय व्यवहार से जुड़ी हैं। निश्चय ही यदि वाहन चालकों को सड़क व्यवहार के प्रति जागरूक किया जाए और हम जिम्मेदारी-सावधानी से वाहन चलाएं तो हर साल हजारों जिंदगियां बचायी जा सकती हैं। भारत में दुनिया के विकसित देशों के मुकाबले कम वाहन सड़कों पर दौड़ते हैं, लेकिन सड़क हादसों के मामले में हम अव्वल हैं। विडंबना देखिए कि एक साल में देश के भीतर करीब पांच लाख सड़क हादसे दर्ज किए जाते हैं। बड़ी संख्या उन हादसों की भी है जो छोटे शहरों व भीतरी इलाकों में होते तो हैं, लेकिन दर्ज नहीं होते। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि देश में हर साल करीब 1.8 लाख लोग इन हादसों में मारे जाते हैं। लाखों लोग इन हादसों में घायल होते हैं। हजारों लोग ऐसे भी होते हैं जो हादसों के बाद जीवनपर्यंत सामान्य जीवन नहीं जी पाते हैं। दुखद स्थिति यह भी है कि मरने वालों में सर्वाधिक संख्या युवाओं की होती है। एक आंकड़े के अनुसार मरने वालों में 66 फीसदी लोग 18 से 34 साल के बीच होते हैं। जो अपने परिवार के कमाने वाले व्यक्ति होते हैं। फलतरू हादसे के बाद कई परिवार गरीबी के दलदल में धंस जाते हैं। दरअसल, सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण तेज गति से वाहन चलाना भी है। सड़क परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि ओवर स्पीडिंग से 68 फीसदी से अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। वहीं निर्धारित स्पीड से अधिक तेजी से वाहन चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं के चलते ही 68 फीसदी मौतें भी होती हैं। निश्चित रूप से ये हादसे व मौतें मानवीय व्यवहार की कमजोरी से जुड़े हैं। जहां देश में राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे का तेजी से विस्तार हुआ है तो बेहतर सड़कों में वाहन चालकों की गति अनियंत्रित हो चली है। जो कालांतर सड़क हादसों की वजह बनती है। यह विडंबना है कि हम अकसर सुरक्षा नियमों की अनदेखी करते हैं। आज की युवा पीढ़ी हेलमेट पहनने से परहेज करती है। यह जानते हुए कि हादसों में सिर की चोट जानलेवा बन जाती है। सड़क परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में हेलमेट न लगाने के कारण 54,568 लोगों की मौत हुई। वहीं सीट बेल्ट न लगाने से 16 हजार से अधिक यात्रियों की जान गई। इन हादसों की एक बड़ी वजह ऐसे अकुशल चालकों का होना भी था, जिनके पास ड्राइविंग लाइसेंस तक नहीं था। आंकड़ों के अनुसार दुर्घटनाओं के लिये जिम्मेदार चालकों में 33,827 ऐसे थे जिनके पास लाइसेंस नहीं थे। देश में बड़ी संख्या ऐसे चालकों की होती है, जो मेडिकली फिट नहीं होते। इसके अलावा जुगाड़ से ले-देकर लाइसेंस बनाने वालों की भी कमी नहीं है। वे वाहन चलाने की पर्याप्त योग्यता व अनुभव के बिना ही चालक बन बैठते हैं। हाल के वर्षों में नशे की हालात में वाहन चलाने का फैशन भी बना है। कई हादसों के बाद खुलासा हुआ कि फलां चालक नशे में धुत था। हालांकि, महानगरों व शहरों में नाका लगाकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों की पकड़-धकड़ की जाती है। लेकिन राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे पर ऐसी जांच बड़े पैमाने पर होती नजर नहीं आती। वहीं ऐसे चालकों की भी कमी नहीं है, जो फोन पर बात करते हुए वाहन चलाते हैं। जिससे लगातार दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। निश्चित रूप से फोन पर बातचीत करता व्यक्ति भावावेश में उद्वेलित हो सकता है, जिससे वाहन चलाने की गुणवत्ता बाधित होती है। वाहन को सुरक्षित ढंग से चलाना भी एक कला है। चालक का मानसिक रूप से शांत होना भी जरूरी है। हाल के दिनों में सड़कों की बेहतर स्थितियों में लोगों में रात में सफर करने का रुझान बढ़ा है। गाहे-बगाहे चालक को झपकी लगने पर दुर्घटना होने के समाचार अकसर सुनने में आते हैं। निश्चित रूप से सड़क हादसों के मूल में तकनीकी कारण और सड़कों के डिजाइन व गुणवत्ता की भी भूमिका होती है। लेकिन हमारी नियंत्रित गति, सावधानी व सजगता दुर्घटनाएं टाल भी सकती है।

साफ हवा कोई लग्जरी नहीं, नागरिकों का अधिकार है

> वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार इसमें मनुष्य की औसत आयु 8.2 वर्ष तक घट जाती है। साथ ही हृदयाघात, स्ट्रोक, सांस सम्बंधी रोगों और अन्य दीर्घकालिक बीमारियों का खतरा भी तेजी से बढ़ता है। बच्चों के फेफड़े सर्वाधिक संवेदनशील होते हैं, जबकि बुजुर्ग और पहले से बीमार लोगों पर इसका बहुत बुरा असर होता है। यह मौसमी असुविधा नहीं, हर साल करोड़ों नागरिकों पर ढाया जाने वाला अत्याचार है। जब यह स्थिति हर साल निर्मित होती है तो इसका समाधान क्यों नहीं हो पा रहा है क्या इस संकट का कोई समाधान नहीं दुनिया के दूसरे देशों ने तो बताया है कि ऐसा नहीं है। कुछ साल पहले बीजिंग की हवा भी दिल्ली जितनी दमघोंटू हो गई थी। 2013 में चीनी सरकार ने प्रदूषण के खिलाफ युद्ध का ऐलान किया। उत्सर्जन में कड़ी कटौती की गई, उद्योगों और वाहनों के लिए सख्त मानक तय किए और क्लीन एनर्जी की ओर तेजी से रुख मोड़ा गया।

पवन के. वर्मा

जिस तरह से हर साल दिल्ली, एनसीआर और उत्तर भारत का बड़ा हिस्सा प्रदूषण की आपदा से जूझता है, उसे देखकर आप पूछ सकते हैं कि भला सरकारें कब तक इसे नजरअंदाज कर सकती हैं और एक-एक सांस के लिए जूझ रहे नागरिक भला कब तक इस घुटन को चुपचाप स्वीकार करते रहेंगे जब एक्यूआई नियमित रूप से 450 से ऊपर की गंभीर और अत्यंत खतरनाक श्रेणियों को पार करता है तो यह स्तर किसी भी सभ्य समाज में सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करने के लिए पर्याप्त होना चाहिए। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार इसमें मनुष्य की औसत आयु 8.2 वर्ष तक घट जाती है। साथ ही हृदयाघात, स्ट्रोक, सांस सम्बंधी रोगों और अन्य दीर्घकालिक बीमारियों का खतरा भी तेजी से बढ़ता है। बच्चों के फेफड़े सर्वाधिक संवेदनशील होते हैं, जबकि बुजुर्ग और पहले से बीमार लोगों पर इसका बहुत बुरा असर होता है। यह मौसमी असुविधा नहीं, हर साल करोड़ों नागरिकों पर ढाया जाने वाला अत्याचार है। जब यह स्थिति हर साल निर्मित होती है तो इसका समाधान क्यों नहीं हो पा रहा है क्या इस संकट का कोई समाधान नहीं दुनिया के दूसरे देशों ने तो बताया है कि ऐसा नहीं है। कुछ साल पहले बीजिंग की हवा भी दिल्ली जितनी दमघोंटू हो गई थी। 2013 में चीनी सरकार ने प्रदूषण के खिलाफ युद्ध का ऐलान किया। उत्सर्जन में कड़ी कटौती की गई, उद्योगों और वाहनों के लिए सख्त मानक तय किए और क्लीन एनर्जी की ओर तेजी से रुख मोड़ा गया। निरंतर और कठोर क्रियान्वयन का नतीजा यह हुआ कि बीजिंग सहित कई प्रमुख शहरों की वायु गुणवत्ता में ठोस सुधार देखने को मिला। हम हर साल तब ही क्यों जागते हैं जब आपदा हमारे सिर पर आ खड़ी होती है, जबकि हमें पहले से पता होता है कि अगर स्थायी और कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो अगला साल भी ठीक वैसा ही होगा निर्माण गतिविधियों पर अस्थायी रोक, आपातकालीन ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान के चरणों को लागू करना, पुराने डीजल वाहनों पर प्रतिबंध, स्कूलों को बंद करना, घरों में रहने की सलाह- ये सब केवल प्रतिक्रियात्मक, प्रतीकात्मक, अल्पकालिक उपाय हैं- समाधान नहीं। राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी स्पष्ट दिखती है। अभी-अभी समाप्त हुए संसद सत्र में वायु प्रदूषण संकट पर चर्चा के लिए समय तक नहीं निकाला गया, जबकि यह मुद्दा सूचीबद्ध था। इस स्तर की सरकारी उदासीनता आपराधिक कही जानी चाहिए और संविधान का सीधा उल्लंघन भी, क्योंकि सांस लेने के अधिकार को कुचलकर हम जीवन के अधिकार- जो एक मौलिक अधिकार है- को ही खतरे में डाल रहे हैं। प्रदूषण न तो नगर निगम की सीमाओं को मानता है और न ही राज्यों की। फिर भी दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश की सरकारों को साथ लेकर अब तक कोई संयुक्त समिति तक नहीं बनाई गई। न ही किसानों को पराली जलाने के व्यवहार्य आर्थिक विकल्प दिए गए- चाहे वह मशीनरी पर सब्सिडी हो, बायोफ्यूल के लिए प्रोत्साहन हो, फसलों में विविधता या कटाई के बाद बची चीजों पर वैल्यू-एडिशन हो। स्वच्छ सार्वजनिक परिवहन के विस्तार पर भी बड़ा निवेश नहीं हुआ, प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों को न तो हटाया गया और न ही बंद किया गया, और निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण तथा वाहनों के उत्सर्जन मानकों का सख्ती से पालन भी नहीं कराया जा सका है। सबसे ज्यादा हैरानी इस बात की है कि नागरिकों ने अभी तक इसके विरुद्ध कोई संगठित और प्रभावी आंदोलन क्यों नहीं किया, जो व्यवस्था को बदलाव लाने के लिए मजबूर कर सके हम इतनी आसानी से हर चीज के अभ्यस्त क्यों हो जाते हैं राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के प्रति देश के मन में गहरे आदर की भावना है, लेकिन यह पूछना जरूरी है कि जब संसद के बाहर लोगों का दम घुट रहा था, तब राष्ट्रगीत के ऐतिहासिक संदर्भों पर पूरे दिन की बहस क्या सचमुच हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए थी क्या संसद में बैठे लोग यह समझते हैं कि प्रदूषण भले साझा समस्या हो, उसका बोझ सब पर समान रूप से नहीं पड़ता है जिनके पास संसाधन हैं, वो तो एयर प्यूरीफायर के पीछे शरण ले लेते हैंय लेकिन क्या साधनहीन लोग जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर रहेंगे देश की बड़ी आबादी के पास रोजी-रोटी कमाने के लिए घर से निकलने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। क्या साधन-सम्पन्न वर्ग कभी उनके बारे में सोचता है और क्या सरकार इस बात से अनभिज्ञ है कि राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण की यह हालत हमारी अंतरराष्ट्रीय छवि पर बट्टा लगाती है, जबकि हम तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी होने का दावा करते हैं संसद में प्रदूषण पर चर्चा के लिए समय तक नहीं निकाला गया, जबकि यह मुद्दा सूचीबद्ध था। यह आपराधिक उदासीनता कही जानी चाहिए और संविधान का उल्लंघन भी, क्योंकि यह जीवन के अधिकार को खतरे में डालती है।

एक जान बचाना, पूरी मानवता को बचाने जैसा होता है

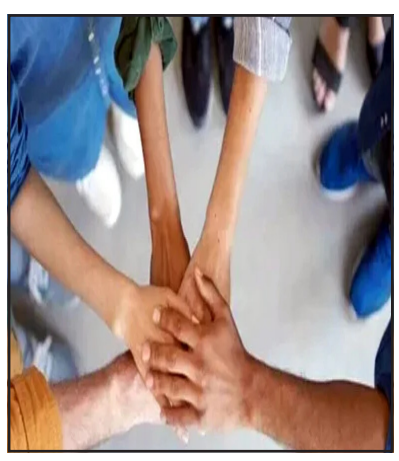

> स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्रायः बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गई। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या अपना क्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

एन. रघुरामन

पिछले रविवार वह कबाब खा रहा था, तभी गोलियों की आवाज सुनकर लोग इधर-उधर भागने लगे। वह अपना कबाब वहीं छोड़ कर गोलियों की दिशा में दौड़ा। ऑस्ट्रेलिया में बॉन्डी शूटिंग का हादसा डरावना था, लेकिन इसने आम लोगों की बहादुरी भी दिखा दी। इनमें एक थे पंजाबी-सिख, भारतीय मूल के न्यूजीलैंडर अमनदीप सिंह बोला। उन्होंने पुलिस की गोली लगने से एक शूटर को लड़खड़ाते देखा तो उस पर झपट पड़े। ऑस्ट्रेलिया में पर्सनल ट्रेनर बोला ने साजिद अकरम की गन लात मारकर दूर कर दी। जमीन पर दबोच कर उसे हाथों में जकड़ लिया, ताकि वह कोई दूसरा हथियार इस्तेमाल ना कर सके। 34 वर्षीय बोला महज एक राहगीर थे। वह शूटिंग वाली जगह से काफी दूर थे, फिर भी वहां गए जहां अज्ञात शूटर्स गोलियां बरसा रहे थे और जो भी कर सकते थे, किया। इस जगह से दूर, महज एक दिन पहले शनिवार को एक और 34 वर्षीय भारतीय को बचाने वाला कोई नहीं था। जबकि उन्होंने सड़क पर गाड़ी स्टार्ट करने की मशक्कत करते कई लोगों की मदद की थी। पेशे से मैकेनिक इस व्यक्ति के सीने में रात 3.30 बजे तेज दर्द हुआ। उनकी पत्नी रूपा बिना समय गंवाए उन्हें स्कूटर से नजदीक के अस्पताल लेकर पहुंचीं। उम्मीद थी कि तुरंत इलाज मिलेगा, लेकिन मदद नहीं मिली। अस्पताल से उन्हें यह कह कर लौटा दिया गया कि कोई डॉक्टर मौजूद नहीं है। पास के दूसरे अस्पताल में ईसीजी कराई तो उनका सबसे बड़ा डर सच साबित हुआ- उसके पति वेंकटरमण में हार्ट अटैक के लक्षण थे। फिर से, न कोई इमरजेंसी इलाज, न एंबुलेंस की व्यवस्था की गई। बस उन्हें तीसरे अस्पताल जाने की सलाह भर दे दी गई। घबराहट बढ़ रही थी, कोई मदद भी नहीं दिख रही थी तो उन्होंने सिर्फ वही किया- जो कर सकते थे। वे फिर से स्कूटर पर बैठे और अगले अस्पताल की ओर दौड़े। करीब 4.21 बजे वेंकटरमण ने फिर से अपना सीना पकड़ा। स्कूटर डगमगाया और दोनों सड़क पर गिर पड़े। दोनों घायल हो गए। घबराई रूपा संभलकर पति के पास दौड़ीं, जो सांस लेने के लिए भी जूझ रहे थे। फिर उस रात का शायद सबसे क्रूर पल आया। रूपा अपने हाथ हिलाती, गिड़गिड़ाती सड़क से गुजर रहे वाहनों से रुकने की भीख मांग रही थीं कि कोई रुके और उनके पति को अस्पताल पहुंचाए। लेकिन एक के बाद एक वाहन गुजरते रहे और कोई भी मदद के लिए नहीं रुका। सड़क पर पड़े वेंकटरमण एक-एक सांस के लिए जूझ रहे थे। एक-एक कीमती पल गुजर रहा था। आखिरकार एक पैदल राहगीर उनके पास रुका। जल्द ही वेंकटरमण की बहन भी मौके पर पहुंच गई और गाड़ियों को रोकने की कोशिश करने लगी। अंततरू सात मिनट बाद एक कार रुकी। तब तक वेंकटरमण बेहोश हो चुके थे। बहन ने सीपीआर देने की कोशिश की, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सोच रहे हैं कि ऐसा निर्मम वाकिया कहां हो सकता है तो यह सब बेंगलुरु में हुआ। हमारे देश के लोग ऑस्ट्रेलिया जैसे दूर देश में जान बचा सकते हैं, लेकिन आंखों के सामने तड़पती एक जान को नहीं बचा सके। क्या आपको यकीन नहीं कि ऐसी घटना भी हो सकती है तो दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह सबकुछ- रूपा की मदद की गुहार, सड़क पर गिरते उनके पति और राहगीरों की बेरुखी- पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। ट्रैफिक पुलिस ने मामला दर्ज किया और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। वेंकटरमण के पीछे उसकी मां, पत्नी और दो बच्चे रह गए हैं। यकीनन, किसी की जान बचाना मानवता के लिए सबसे बड़ा योगदान माना जाता है। यह काम कभी तत्काल दिखाई गई बहादुरी, कभी जरूरतमंद को मेडिकल केयर देने और कभी परोपकार जैसे कार्यों से होता है।

एआई पर टैक्स लगाने के बारे में सोचना शुरू कर देना चाहिए

> कुछ लोगों ने सुझाया है कि हमें एआई से हो रहे बदलावों के मद्देनजर पूंजी पर टैक्स लगाने का तरीका भी बदलना चाहिए। एआई-टैक्स का कोई भी ढांचा इस पर निर्भर करेगा कि सरकारें इससे क्या हासिल करना चाहती हैं। कोई यह भी पूछ सकता है कि हमें एआई पर टैक्स लगाना ही क्यों चाहिए इस सवाल का जवाब हमारी टैक्स प्रणालियों और एआई कैसे अर्थव्यवस्था को बदल रहा है- इस बारे में दो बुनियादी बातें बताता है। पहली, कई देश फिलहाल श्रम बाजार में मानव श्रमिकों पर उनके संभावित एआई प्रतिस्पर्धियों की तुलना में ज्यादा टैक्स लगाते हैं। अमेरिका में लगभग 85ः केंद्रीय राजस्व लोगों और उनके काम पर लगाए टैक्स से आता है। जबकि पूंजी और कॉर्पोरेट मुनाफों से काफी कम टैक्स वसूली होती है। एआई जैसी तकनीकों को रियायतों और कॉर्पोरेट टैक्स की किफायती दरों जैसी राहत मिलती है। दूसरी बात, अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि एआई श्रम की तुलना में अधिक वित्तीय लाभ देगा। इसका सबसे चरम रूप वो एआई एजेंट होंगे, जो खुद डिजाइन, रेप्लिकेट और सेल्फ-मैनेजिंग में सक्षम होंगे। यानी पूंजी खुद ही श्रम की भूमिका निभाएगी। वर्तमान कर-नीतियों के तहत ऐसा बदलाव विषमता बढ़ाएगा और जीडीपी के अनुपात में सरकारी राजस्व कम करेगा। एआई टैक्स इंसानों और मशीनों, दोनों के लिए समान अवसरों वाला मैदान तैयार कर सकता है। इस साल की शुरूआत में एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने चेतावनी दी थी कि एआई अगले पांच वर्षों में एंट्री लेवल की आधी व्हाइट कॉलर नौकरियों को समाप्त कर सकता है। इससे पांच वर्षों में बेरोजगारी 10-20ः तक पहुंच सकती है।

केविन ओ नील

शायद ही कोई दिन जाता हो, जब ऐसी खबरें ना आती हों कि एआई कैसे अर्थव्यवस्था को बदलने वाला है। भले ही इस बारे में बहुत सारे दावे बढ़ा-चढ़ाकर किए जाते हों, लेकिन हमें बदलावों के लिए तैयार तो रहना ही होगा। एआई समाज के लिए फायदेमंद हो, यह सुनिश्चित करने का सबसे भरोसेमंद तरीका है- टैक्स! तो वास्तव में एआई टैक्स कैसा होगा इसका सबसे व्यावहारिक तरीका यह है कि एआई डेवलपमेंट के प्रमुख इनपुट्स यानी एनर्जी, चिप्स या कम्प्यूट-टाइम को टैक्स के लिए लक्षित किया जाए। अमेरिका ने कुछ खास एआई चिप्स की चीन को बिक्री पर 15ः शुल्क लगाया है। इससे पता चलता है कि एआई इनपुट टैक्स कैसे कारगर हो सकता है। कुछ लोगों ने सुझाया है कि हमें एआई से हो रहे बदलावों के मद्देनजर पूंजी पर टैक्स लगाने का तरीका भी बदलना चाहिए। एआई-टैक्स का कोई भी ढांचा इस पर निर्भर करेगा कि सरकारें इससे क्या हासिल करना चाहती हैं। कोई यह भी पूछ सकता है कि हमें एआई पर टैक्स लगाना ही क्यों चाहिए इस सवाल का जवाब हमारी टैक्स प्रणालियों और एआई कैसे अर्थव्यवस्था को बदल रहा है- इस बारे में दो बुनियादी बातें बताता है। पहली, कई देश फिलहाल श्रम बाजार में मानव श्रमिकों पर उनके संभावित एआई प्रतिस्पर्धियों की तुलना में ज्यादा टैक्स लगाते हैं। अमेरिका में लगभग 85ः केंद्रीय राजस्व लोगों और उनके काम पर लगाए टैक्स से आता है। जबकि पूंजी और कॉर्पोरेट मुनाफों से काफी कम टैक्स वसूली होती है। एआई जैसी तकनीकों को रियायतों और कॉर्पोरेट टैक्स की किफायती दरों जैसी राहत मिलती है। दूसरी बात, अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि एआई श्रम की तुलना में अधिक वित्तीय लाभ देगा। इसका सबसे चरम रूप वो एआई एजेंट होंगे, जो खुद डिजाइन, रेप्लिकेट और सेल्फ-मैनेजिंग में सक्षम होंगे। यानी पूंजी खुद ही श्रम की भूमिका निभाएगी। वर्तमान कर-नीतियों के तहत ऐसा बदलाव विषमता बढ़ाएगा और जीडीपी के अनुपात में सरकारी राजस्व कम करेगा। इस साल की शुरूआत में एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने चेतावनी दी थी कि एआई अगले पांच वर्षों में एंट्री लेवल की आधी व्हाइट कॉलर नौकरियों को समाप्त कर सकता है। इससे पांच वर्षों में बेरोजगारी 10-20ः तक पहुंच सकती है। श्रम पर पूंजी से अधिक टैक्स लगाना ऑटोमेशन को बढ़ावा देता है, जिससे मानव श्रमिकों की सहायता तो कतई नहीं होती, बल्कि मशीनें उनकी जगह ले लेती हैं। कम से कम हम अपनी टैक्स प्रणाली को तो ऐसा नहीं करने दें। एक बड़ी बात यह भी है कि यदि बड़ी संख्या में नौकरियां खत्म होती हैं या नई भर्तियां धीमी होती हैं तो अभी आय और पे-रोल करों पर निर्भर सरकारों के सामने गंभीर वित्तीय संकट पैदा हो सकता है। भले ही बाद में एआई संबंधी नए रोजगार पैदा हो जाएं। सही कर-नीतियां एआई से उत्पादकता में आए उछाल के साथ मिलकर वित्तीय समस्याओं का हल कर सकती हैं। अमीर देश बुजुर्ग आबादी के लिए स्वास्थ्य सेवा और पेंशन का पैसा जुटाने की समस्या से जूझ रहे हैं। जबकि गरीब देशों के सामने कर-संबंधी आय कम होने के बावजूद बड़ी युवा आबादी को शिक्षित करने और रोजगार देने की चुनौतियां हैं। ऐसे में एआई से प्राप्त होने वाला टैक्स-राजस्व इन दोनों की समस्याओं का समाधान बन सकता है। इसके अलावा इस राजस्व को वापस एआई-संबंधी कार्यों में भी खर्च किया जा सकता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि उद्देश्य जनता के लिए उस तकनीक के लाभों को बढ़ाना है, जिस पर कर वसूला गया है। एआई टैक्स से बेरोजगारी बीमा बढ़ाया जा सकता और हटाए गए मजदूरों की री-ट्रेनिंग हो सकती है। या इससे एआई नीति का दायरा व्यापक किया जा सकता है। अभी तो नीति-निमार्ता इनोवेशन को रोकना या एआई में पिछड़ना नहीं चाहेंगे। लेकिन जैसे ही जनता में जागरूकता आई, ये अरुचि समाप्त हो जाएगी। यदि एआई में जीत के मायने महज बड़े मॉडल और अमीर कंपनियां नहीं, बल्कि सेहतमंद लोग, प्रसन्न बच्चे और अधिक कुशल कार्यबल भी है, तो एआई टैक्स से यह सम्भव हो सकता है।श्रम पर पूंजी से अधिक टैक्स लगाना ऑटोमेशन को बढ़ावा देता है, जिससे मानव श्रमिकों की सहायता तो कतई नहीं होती, बल्कि मशीनें उनकी जगह ले लेती हैं। कम से कम हम अपनी टैक्स प्रणाली को तो ऐसा नहीं करने दें।

मनोरंजन

घरेलू क्रिकेट में चमके ईशान किशन अब टी20 विश्वकप टीम में शामिल

मुंबई। भारतीय चयन समिति ने शनिवार को टी20 विश्व कप 2026 और जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जाने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान कर दिया। इस टीम में दो साल बाद ईशान किशन की वापसी हुई है। कहते हैं रात कितनी भी काली क्यों न हो...अगले दिन सुबह जरूर होती है। यह कहावत ईशान किशन की हालिया परिस्थितियों पर बिल्कुल फिट बैठती है। दरअसल, इस विकेटकीपर बल्लेबाज को पिछले दो साल से भारतीय टीम में वापसी का इंतजार था जो शनिवार को पूरा हो गया। टी20 विश्व कप 2026 और न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए चुने गए भारतीय स्क्वॉड में शामिल किया गया है। अब वह एक बार फिर भारतीय जर्सी में शानदार प्रदर्शन करते नजर आएंगे। दो साल बाद टीम में वापसी ईशान किशन की दो साल बाद टी20 टीम में वापसी हुई है। उन्होंने पिछली बार नवंबर, 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मुकाबला खेला था।

रेखा ने 71 की उम्र में शादी पर तोड़ी चुप्पी, महिमा चौधरी के सामने किया बड़ा खुलासा

बॉलीवुड की एवरग्रीन ब्यूटी रेखा ने शुक्रवार को मुंबई में आयोजित महिमा चौधरी और संजय मिश्रा स्टारर फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान अपनी जिंदगी के सबसे बड़े सच से पर्दा उठाया। जब फिल्म की मुख्य अभिनेत्री महिमा चौधरी ने मजाक में अपनी दूसरी शादी का जिक्र किया, तो रेखा ने अपनी हाजिरजवाबी से सबका दिल जीत लिया। रेखा ने अपनी मांग में सिंदूर और ट्रेडमार्क व्हाइट सूट में चमकते हुए कहा, शादी पहली हो या दूसरी हो, शादी तो मैंने की है... जिंदगी से। उनके इस दार्शनिक और प्रेरणादायक जवाब ने वहां मौजूद सभी लोगों को निशब्द कर दिया। स्क्रीनिंग के दौरान रेखा का लुक हमेशा की तरह शाही था। उन्होंने सफेद रंग का सूट और प्रिंटेड दुपट्टा पहना था, जिसे उन्होंने काले चश्मे और लाल लिपस्टिक के साथ पेयर किया। जब महिमा चौधरी ने अपनी फिल्म के विषय पर बात करते हुए कहा कि उन्होंने दूसरी शादी कर ली है, तो रेखा ने शादी की परिभाषा समझाते हुए कहा कि शादी का दूसरा नाम ही प्यार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जहाँ प्यार है, वहीं शादी का अस्तित्व है। रेखा के इस बयान को उनके फैंस उनके अकेलेपन के बजाय उनकी आत्मनिर्भरता और जीवन के प्रति सकारात्मकता के रूप में देख रहे हैं। फिल्म जगत में रेखा की निजी जिंदगी हमेशा से एक पहेली रही है। 1990 में दिल्ली के व्यवसायी मुकेश अग्रवाल के साथ उनकी शादी और फिर एक साल के भीतर उनके दुखद निधन के बाद से रेखा ने कभी दोबारा घर नहीं बसाया। हालांकि, सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनकी मांग का सिंदूर अक्सर चर्चा का विषय बनता है, जिसे वह अपना स्टाइल स्टेटमेंट मानती हैं। इस स्क्रीनिंग इवेंट में रेखा ने साफ कर दिया कि वह किसी व्यक्ति के बजाय अपनी जिंदगी और कला के साथ पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी के प्रीमियर पर रेखा की उपस्थिति ने न केवल फिल्म को लाइमलाइट दी, बल्कि उनके इस खुलासे ने उनके प्रशंसकों को एक बार फिर उनकी गहराई और सादगी का कायल बना दिया।

जान्हवी कपूर रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ फिर आई नजर

पैपराजी से बचते नजर आए शिखर पहाड़िया; देखें वायरल वीडियो

जान्हवी कपूर अपनी फिल्मों के अलावा लव लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। एक वायरल वीडियो में वह अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ नजर आईं। वीडियो में शिखर पहाड़िया पैपराजी से दूरी बनाते हुए दिखे। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है, जिसमें जान्हवी कपूर अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ नजर आईं। वह इंडो-वेस्टर्न ड्रेस पहने किसी इवेंट का हिस्सा बनी हैं। शिखर भी ट्रेडिशनल गेटअप में नजर आ रहे हैं। लेकिन दोनों ने साथ में पैपराजी को पोज नहीं दिए। पैपराजी को अकेले पोज देती दिखीं जान्हवी वायरल वीडियो में शिखर और जान्हवी एक साथ किसी फंक्शन का हिस्सा बन रहे हैं। लेकिन जहां पर पैपराजी फोटो क्लिक कर रहे हैं, वहां पर शिखर सिर्फ जान्हवी को जाने के लिए कहते हैं। वह कोने में एक जगह पर खड़े होकर जान्हवी कपूर का इंतजार करते हैं। जान्हवी भी पैपराजी को पोज देती हैं और इसके बाद आगे बढ़ जाती हैं। पिछले दिनों उड़ी थी सगाई की अफवाह पिछले दिनों भी सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें जान्हवी कपूर और उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया ट्रेडिशनल गेटअप में नजर आए। यह एक सगाई का वीडियो था। कई फैंस को लगा कि जान्हवी और शिखर ने सगाई कर ली है। लेकिन ऐसा नहीं था यह रूमर्ड कपल दीया श्रॉफ की मेहंदी सेरेमनी में शामिल हुआ था। दीया श्रॉफ, जान्हवी कपूर की करीबी दोस्त हैं। जान्हवी कपूर की आने वाली फिल्में कुछ महीने पहले जान्हवी कपूर की फिल्म परम सुंदरी रिलीज हुई। इसके बाद वह सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में नजर आईं। अगले साल रिलीज होने वाली एक साउथ फिल्म पेड्डी में भी जाहन्वी अभिनय करती नजर आएंगी। इस फिल्म में वह राम चरण के साथ नजर आएंगी।

लंबी बीमारी के बाद फेमस एक्टर का हुआ निधन, पुलिस सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार

केरल सरकार ने घोषणा की है कि शनिवार को निधन हुए अनुभवी मलयालम अभिनेता, पटकथा लेखक और फिल्म निमार्ता श्रीनिवासन के अंतिम संस्कार में पुलिस सम्मान दिया जाएगा। श्रीनिवासन का अंतिम संस्कार रविवार, 21 दिसंबर, 2025 को उदयमपेरूर, कंडानाड, एनार्कुलम स्थित उनके आवास पर किया जाएगा। श्रीनिवासन एक बहुमुखी इंसान थे जिन्हें एक्टर, स्क्रीनराइटर और फिल्ममेकर के तौर पर पहचान मिली। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में उनका योगदान बेमिसाल रहा है, और उनकी मौत से उनके दोस्त, परिवार और फैंस दुखी हैं, सरकार के सचिव की ओर से जारी एक सलाह में कहा गया-सरकार को प्रसिद्ध मलयालम अभिनेता, पटकथा लेखक और फिल्म निमार्ता श्री श्रीनिवासन के निधन पर गहरा दुख हुआ है। उन्होंने कई पुरस्कार जीते थे, जिसमें एक राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (अन्य सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म- चिंताविष्ठया श्यामला) और छह केरल राज्य फिल्म पुरस्कार शामिल हैं। दिवंगत कलाकार के सम्मान में जिला कलेक्टर से राज्य सरकार की ओर से पुष्पांजलि अर्पित करने की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया है। साथ ही, पुलिस आयुक्त को अंतिम संस्कार के दौरान पुलिस सम्मान, जिसमें बिगुल सलामी भी शामिल है की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। अनुभवी मलयालम अभिनेता, पटकथा लेखक, निर्देशक और निमार्ता श्रीनिवासन का शनिवार को 69 वर्ष की आयु में निधन हो गया। मीडिया से बात करते हुए, अभिनेता और पटकथा लेखक रेंजी पणिक्कर ने बताया कि श्रीनिवासन के पार्थिव शरीर को उनके आवास और बाद में टाउन हॉल ले जाया जाएगा ताकि लोग उन्हें श्रद्धांजलि दे सकें। सार्वजनिक दर्शन दोपहर 1 बजे होंगे। श्रीनिवासन के निधन की खबर से दुख की गहरी लहर दौड़ गई शोक का माहौल है, मशहूर हस्तियों, राजनीतिक हस्तियों और फैंस ने सोशल मीडिया पर दिल से श्रद्धांजलि दी। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने उन्हें श्रद्धांजलि दी और श्रीनिवासन की सिनेमाई विरासत का सम्मान किया। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सीएम विजयन ने कहा- ष्श्रीनिवासन का निधन मलयालम सिनेमा के लिए एक अपूरणीय क्षति है। हम एक ऐसी प्रतिभा को खो रहे हैं जो फिल्म निर्माण के हर क्षेत्र में अग्रणी पदों पर पहुंचे। बहुत कम फिल्म निमार्ता उनके जैसा सफल हुए हैं।

धर्मेंद्र के निधन के बाद देओल परिवार की अनबन हुई उजागर, सनी और हेमा मालिनी ने कर दिया सब स्पष्ट

बॉलीवुड के हीमैन धर्मेंद्र का 24 नवंबर 2025 को 89 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके जाने के बाद पूरे देश में शोक की लहर फैली। परिवार और फैंस अभी भी उनके जाने के गम से उबर नहीं पाए हैं। धर्मेंद्र के निधन के बाद उनके परिवार के बीच टकराव भी सामने आया, खासकर उनकी पहली पत्नी प्रकाश कौर और दूसरी पत्नी हेमा मालिनी के बीच। धर्मेंद्र के निधन के बाद उनके बेटे सनी देओल और बॉबी देओल ने अपने पिता की याद में प्रार्थना सभा आयोजित की। इस सभा में शाहरुख खान, सलमान खान, ऐश्वर्या राय बच्चन, अभिषेक बच्चन, सिद्धार्थ मल्होत्रा और अभय देओल जैसे बॉलीवुड सितारे शामिल हुए। हालांकि, इस सभा में धर्मेंद्र की दूसरी पत्नी हेमा मालिनी और उनकी बेटियां ईशा और अहाना देओल शामिल नहीं हुईं। दूसरी ओर, धर्मेंद्र की दूसरी पत्नी और बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री हेमा मालिनी ने अपने बंगले पर अपनी बेटियों ईशा और अहाना के साथ प्रार्थना सभा रखी। इस सभा में गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा, उनके बेटे यशवर्धन, अभिनेत्री मधु और ईशा देओल के एक्स हसबैंड भरत तख्तानी जैसे करीबी लोग शामिल हुए। थोड़े दिन पहले हेमा मालिनी द्वारा दिल्ली में भी धर्मेंद्र की याद में प्रार्थना सभा आयोजित की गई, जिसमें बीजेपी सांसदों ने शिरकत की। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, रवि किशन और कंगना रनौत समेत कई गणमान्य लोग पहुंचे और दिवंगत अभिनेता को श्रद्धांजलि दी। हालांकि इस दिल्ली सभा में सनी और बॉबी देओल शामिल नहीं हुए। धर्मेंद्र की पहली पत्नी प्रकाश कौर और सनी-बॉबी द्वारा आयोजित प्रार्थना सभा में हेमा मालिनी की गैरमौजूदगी, और हेमा द्वारा आयोजित सभा में सनी-बॉबी की गैरमौजूदगी ने उनके बीच के तनाव को सार्वजनिक कर दिया है। इस तरह धर्मेंद्र के निधन के बाद सनी देओल और हेमा मालिनी ने आपसी टकराव को स्पष्ट कर दिया है। धर्मेंद्र को कुछ हफ्ते पहले सांस लेने में तकलीफ हुई थी और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था।

पीके के 11 साल: बीटीएस वीडियो में संजय दत्त के किरदार का जादू

राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी भारतीय सिनेमा के बेहतरीन निर्देशकों में गिने जाते हैं। उनकी फिल्मों का सफलता रिकॉर्ड शानदार रहा है। बीते वर्षों में उन्होंने ऐसी फिल्में दी हैं जो दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से भी उन्हें छू जाती हैं। उनकी सबसे यादगार फिल्मों में से एक है पीके, जो 2014 में रिलीज हुई थी और आज इसके 11 साल पूरे हो गए हैं। यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसमें समाज पर तीखी और सोचने पर मजबूर करने वाली बातें दिखाई गईं, जो आज भी उतनी ही असरदार हैं। पीके की 11वीं सालगिरह पर इसके यादगार किरदारों को दोबारा याद करने का यह सही मौका है, जिनमें से एक है संजय दत्त का भैरों सिंह। फिल्म के बिहाइंड-द-सीन्स वीडियो में दिखता है कि संजय दत्त ने इस किरदार को कितनी खूबसूरती से निभाया। फिल्म में उनकी सादगी, भाईचारे की भावना और इंसानियत ने दर्शकों का दिल जीत लिया था, और यही गुण उनकी असल जिंदगी में भी नजर आते हैं। भैरों सिंह के रूप में संजय दत्त का अभिनय एक बेहतरीन किरदार प्रस्तुति है, जो हमेशा दर्शकों के दिलों में जिंदा रहेगी। राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी पीके उनकी बेहतरीन फिल्मों में से एक मानी जाती है। आमिर खान, अनुष्का शर्मा, सुशांत सिंह राजपूत, बोमन ईरानी, सौरभ शुक्ला और संजय दत्त जैसे कलाकारों से सजी यह फिल्म एक बेहतरीन पारिवारिक मनोरंजक फिल्म बनकर सामने आई।

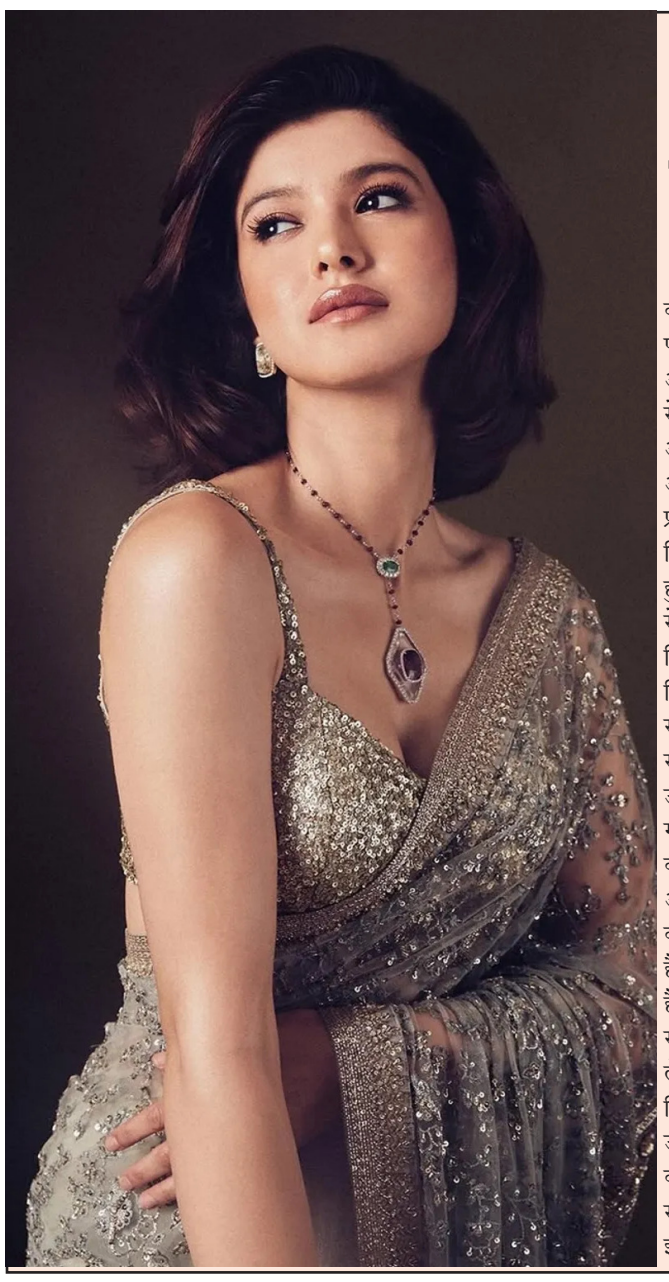

पहली फिल्म आंखों की गुस्ताखियां फ्लॉप होने पर ऐसा था शनाया कपूर का रिएक्शन

अनिल कपूर की भतीजी और जान्हवी कपूर की चचेरी बहन शनाया कपूर की पहली फिल्म फ्लॉप रही थी। अब उन्होंने आंखों की गुस्ताखियां के न चल पाने पर प्रतिक्रिया दी है। जानिए एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहा फिल्मी घराने से आने वाली अभिनेत्री शनाया कपूर ने लंबे इंतजार के बाद इस साल फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से अपने करियर की शुरूआत की। इस फिल्म में उनके साथ नेशनल अवॉर्ड विजेता अभिनेता विक्रांत मैसी प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई। अब शनाया ने फिल्म को मिले रिव्यू पर प्रतिक्रिया दी। साथ ही फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर फेल होने पर भी अपना रिएक्शन दिया। मुझे खुशी है कि मेरी फिल्म रिलीज हो गई हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए शनाया कपूर ने अपनी पहली फिल्म को लेकर कहा कि बेशक फिल्म के प्रदर्शन से थोड़ा दुख तो होता ही है। आप चाहते हैं कि लोग सिनेमाघरों में जाकर आपकी फिल्म देखें। लेकिन मुझे जो प्यार मिला, वह बहुत ज्यादा था। यह सब कुछ था जिसका मैं इंतजार कर रही थी और जब मेरी फिल्म रिलीज हुई, तो मेरे लिए वही सब कुछ था। एक्ट्रेस ने बताया कि फिल्म के न चल पाने पर लोग उन्हें सांत्वना दे रहे थे। मुझे कोई बात नहीं, सब ठीक हो जाएगा जैसे संदेश मिल रहे थे। लेकिन उस वक्त मेरे अंदर का बच्चा इस बात से खुश था कि मेरी पहली फिल्म रिलीज हो गई है। इस फिल्म का जो भी हश्र हुआ हो, मैंने अपना पूरा प्रयास किया और मैंने कर दिखाया, यह बहुत बड़ी बात है और सच कहूं तो मुझे इस पर बहुत गर्व है। आगे अपनी डेब्यू फिल्म को लेकर शनाया ने कहा कि इस फिल्म से अपने करियर की शुरूआत करने में मुझे कोई हिचक नहीं है। मेरे इंस्टाग्राम बायो में आज भी लिखा है, आंखों की गुस्ताखियां जी5 पर रिलीज हो गई है। मुझे उस फिल्म पर बहुत गर्व है। मैं चाहती हूं कि हर कोई उसे देखे। शायद इसे लोगों को यह बताने का एक तरीका समझा जा सकता है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई, लेकिन मेरे लिए यह एक गर्व भरी फिल्म है जिसे मैंने प्यार से बनाया है। फिल्म रिलीज होने का पल मेरे लिए यादगार था, मैंने गहरी सांस ली और आखिरकार उस शुक्रवार को जब मेरी फिल्म रिलीज हुई तो मैंने चैन की सांस ली। उससे पहले करीब पांच साल तक मेरे अंदर बहुत तनाव था। बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर रही थी आंखों की गुस्ताखियां संतोष सिंह द्वारा निर्देशित आंखों की गुस्ताखियां इस साल सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

'स्पाइडर मैन- ब्रांड न्यू डे' की पूरी हुई शूटिंग, इस तारीख को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की अपकमिंग फिल्म 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। फिल्ममेकर्स ने इसकी रिलीज की तारीख का भी एलान किया है। मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स के फैंस के लिए खुशखबरी है। हॉलीवुड स्टार टॉम हॉलैंड ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे' की शूटिंग पूरी कर ली है। डेस्टिन डेनियल क्रेटन के निर्देशन में बनी यह फिल्म 31 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। जेंडाया,

जैकब बैटलॉन, सैडी सिंक और लिजा कोलोन-जायस जैसे कलाकार इस फिल्म का हिस्सा हैं। इसके लेखक एरिक सोम्मर्स और क्रिस मैककेना हैं। फिल्ममेकर ने साझा की तस्वीरें फिल्ममेकर ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह एक्टर के साथ नजर आ रहे हैं। इसके बाद उन्होंने फिल्म की पूरी टीम की तस्वीर भी शेयर की। तस्वीरें शेयर करने के साथ फिल्ममेकर ने एक पोस्ट लिखी। डेस्टिन डेनियल ने लोगों का शुक्रिया अदा किया डेस्टिन डेनियल क्रेटन ने फिल्म में शामिल सभी लोगों की कोशिशों की तारीफ की। उन्होंने लिखा 'मैं उन लोगों का दिल से आभारी हूं जो फिल्म में मेरे साथ चले। मेरे परिवार को संभालने के लिए निक को शुक्रिया। बच्चों का शुक्रिया जिन्होंने मुझे कमरे से निकल कर फिल्म बनाने के लिए प्रेरित किया।' डेस्टिन ने फिल्म के कलाकारों और क्रू की भी तारीफ की। फिल्ममेकर ने की टॉम हॉलैंड की तारीफ फिल्ममेकर ने टॉम हॉलैंड की तारीफ में लिखा 'मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं और दुनिया को बड़े पर्दे पर आपका शानदार काम दिखाने के लिए उत्साहित हूं। स्क्रीन पर और स्क्रीन के बाहर आपकी दयालु, उदार लीडरशिप के लिए, आपकी लगातार काम करने की लगन, आपकी निडर परफॉर्मेंस और आपकी दोस्ती के लिए धन्यवाद।

विजय हजारे ट्रॉफी के लिए बंगाल टीम घोषित तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे शमी

कोलकाता। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को भले ही राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिल रही है, लेकिन बंगाल के लिए लगातार वह अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। शमी को अब विजय हजारे ट्रॉफी के लिए भी बंगाल टीम में चुना गया है। विजय हजारे ट्रॉफी वनडे टूर्नामेंट के लिए बंगाल की टीम घोषित हो गए हैं। शमी लंबे वक्त से राष्ट्रीय टीम से बाहर चल रहे हैं, लेकिन उन्हें लगातार बंगाल की टीम में जगह मिल रही है। चोट से उबरने के बाद बंगाल की तरफ से घरेलू क्रिकेट में शानदार वापसी की। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में वर्तमान सत्र में अभी तक सभी प्रारूप में 36 विकेट लिए हैं। घरेलू सत्र में शमी ने किया शानदार प्रदर्शन शमी विजय हजारे ट्रॉफी में बंगाल टीम के लिए तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे। भारतीय घरेलू सत्र की शुरूआत रणजी ट्रॉफी से हुई जिसमें शमी ने चार मैच में 18.60 के औसत से 20 विकेट लिए। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और सात मैचों में 14.93 के औसत से 16 विकेट हासिल किए। बंगाल की टीम में भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप और मुकेश कुमार भी शामिल हैं।

बलूचिस्तान में जाफर एक्सप्रेस समेत दो ट्रेनों को बनाया गया निशाना

कराची। पाकिस्तान में एक बार फिर जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाकर धमाका किया गया है। बलूचिस्तान प्रांत में हुए इस धमाके में किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है, हालांकि धमाके से रेलवे ट्रैक का लगभग तीन फीट हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं दाश्त क्षेत्र में हुए एक अन्य धमाके में भी पटरियों को नुकसान पहुंचा। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में संदिग्ध विद्रोहियों ने रेल पटरियों को निशाना बनाकर बम धमाके किए, जिससे जाफर एक्सप्रेस समेत दो यात्री ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हो गई। इन धमाकों में रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचा और ट्रेन सेवाएं अस्थायी रूप से बाधित करनी पड़ीं। क्वेटा के सीनियर सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसएसपी) शाहिद नवाज ने बताया कि शुक्रवार को मुश्काफ इलाके में हुए एक बम धमाके से रेलवे ट्रैक का

लगभग तीन फीट हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं, दाश्त क्षेत्र में हुए एक अन्य धमाके में भी पटरियों को नुकसान पहुंचा। उन्होंने कहा कि इन दोनों घटनाओं में जाफर एक्सप्रेस और बोलन मेल यात्री ट्रेनों को निशाना बनाया गया था। क्वेटा से जाने वाली ट्रेन सेवाएं हुईं प्रभावित धमाकों के बाद मुख्य रेल लाइन पर ट्रैक क्षतिग्रस्त होने से क्वेटा से पाकिस्तान के अन्य प्रांतों की ओर जाने वाली ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। एसएसपी नवाज ने कहा कि शनिवार से क्वेटा से चलने वाली सभी यात्री ट्रेनों के समय-सारिणी को सुरक्षा मंजूरी मिलने के बाद ही अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा, 'यात्रियों की सुरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि है। क्वेटा से बाहर जाने वाली सभी ट्रेनों के लिए विशेष सुरक्षा इंतजाम किए जा रहे हैं।' यात्रियों की बढ़ती भीड़ के कारण चलाई गई विशेष ट्रेन सुरक्षा चिंताओं के बीच शनिवार को जाफर एक्सप्रेस की एक विशेष सेवा को पेशावर के लिए रवाना होने की अनुमति दी गई। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए यह विशेष सेवा चलाई गई, जबकि सामान्य ट्रेन सेवाएं सुरक्षा मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। पहले भी कई जाफर एक्सप्रेस को बनाया गया निशाना यह पहली बार नहीं है जब जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाया गया हो। इस ट्रेन पर पहले भी कई बार हमले हो चुके हैं और इसी साल इसकी सेवाएं कई बार प्रभावित हुई हैं। बीते दो महीनों में विद्रोहियों ने जाफर एक्सप्रेस और बोलन मेल पर कम से कम तीन बार हमले किए हैं, जिनमें रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचा, हालांकि इन घटनाओं में कोई जान नहीं गई। इससे पहले 11 मार्च को जाफर एक्सप्रेस एक अभूतपूर्व हमले का शिकार हुई थी, जब आतंकवादियों ने ट्रेन के इंजन पर गोलीबारी कर करीब 400 यात्रियों को बंधक बना लिया था। उस हमले में 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी, जबकि सुरक्षा बलों ने बाकी यात्रियों को सुरक्षित बचाया और 33 विद्रोहियों को मार गिराया था।

टैरिफ मेरा पांचवां पसंदीदा शब्द डोनाल्ड ट्रंप ने गिनाए फायदे

नॉर्थ कैरोलिना। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नॉर्थ कैरोलिना में एलान किया कि नए साल से इतिहास की सबसे बड़ी कर कटौती लागू होगी, महंगाई रुक गई

और फिर से अमेरिका की शक्ति लौट रही है। जानिए और क्या कहा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नॉर्थ कैरोलिना में अपने भाषण में एलान किया कि नए साल से अमेरिकी नागरिकों को इतिहास की सबसे बड़ी कर कटौती का लाभ मिलेगा। ट्रंप ने कहा कि इसमें टिप्स पर कर नहीं लगेगा, ओवरटाइम पर कर नहीं लगेगा और वरिष्ठ नागरिकों के लिए सोशल सिक्योरिटी पर कर नहीं लगेगा। अमेरिका फिर से शक्तिशाली और समृद्ध बनेगा ट्रंप ने अपने भाषण में कहा चार साल के संकट और गिरावट के दौरान पूरी दुनिया हमारी हंसी उड़ाती रही। लेकिन अब हम अमेरिका के सबसे शानदार वर्षों की शुरूआत कर रहे हैं। इसे 'अमेरिका का गोल्डन एज' कहा जाता है। पिछले 10 महीनों में हमारी सीमाएं सुरक्षित हुई हैं, महंगाई रुक गई है, मजदूरी बढ़ी है और कीमतें कम हुई हैं। हमारा राष्ट्र मजबूत है, अमेरिका वापस आ गया है। राष्ट्रपति ने आगे कहा हम लड़ेंगे, हम जीतेंगे और आपकी मदद से अमेरिका फिर से शक्तिशाली और समृद्ध बनेगा। हम अमेरिका को महान बनाएंगे। ट्रंप ने करों पर अपनी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि पहले उनका पसंदीदा शब्द 'टैरिफ' था, लेकिन अब यह उनका पांचवां पसंदीदा शब्द बन गया है। टैरिफ से मजदूरों और उद्योगों को सुरक्षा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार ने अमेरिकी ऊर्जा के खिलाफ कट्टर वामपंथियों की मुहिम को खत्म कर दिया है। उन्होंने ह्वग्रीन न्यू स्कैमह्ल को रद्द किया और 'ड्रिल, बेबी, ड्रिल' का आदेश जारी किया। ट्रंप के मुताबिक, इसके बाद पेट्रोल की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है। अमेरिकी कामगारों की सुरक्षा के लिए सरकार ने विदेशी कारों पर 25 प्रतिशत, विदेशी स्टील पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इसके अलावा नॉर्थ कैरोलिना के फर्नीचर उद्योग को बचाने के लिए 25, 30 और 50 प्रतिशत तक टैरिफ लागू किए गए हैं।

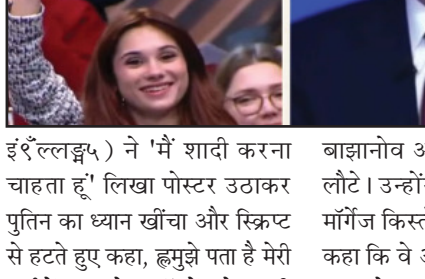

हिंदू युवक की हत्या में शामिल सात आरोपी गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश के मयमनसिंह में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की हत्या के मामले में रैपिड एक्शन बटालियन ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह जानकारी अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने दी। बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले के वालुका इलाके में हिंदू धर्म के अनुयायी युवक दीपू चंद्र दास (27) की पीट-पीटकर हत्या के

मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने बताया कि रैपिड एक्शन बटालियन ने इस जघन्य घटना में शामिल सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इन सभी से पूछताछ जारी है और मामले की गहन जांच की जा रही है। मोहम्मद यूनुस ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की सांप्रदायिक हिंसा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अलग-अलग इलाकों से इन सात आरोपियों की गिरफ्तारियां मुख्य सलाहकार के अनुसार, फ्अइ-14 ने विशेष अभियान चलाकर विभिन्न स्थानों से सात संदिग्धों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार आरोपियों में शामिल हैं:- मोहम्मद यूनुस ने कहा कि यह घटना न केवल मानवता के खिलाफ अपराध है, बल्कि सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की कोशिश भी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दोषियों के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाएगा। हिंदू युवा की मॉब लिंचिंग पर यूनुस सरकार ने की निंदा गौरतलब है कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने कल एक बयान में कहा था कि नए बांग्लादेश में ऐसी हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। बयान में आगे कहा गया कि इस जघन्य अपराध के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। बांग्ला ट्रिब्यून समाचार पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार, मयमनसिंह शहर में गुरुवार को कथित ईशनिंदा के आरोप में दीपू चंद्र दास नामक एक हिंदू शख्स की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। भीड़ ने हत्या करने के बाद उसके शव को आग लगा दी।मुख्य सलाहकार की मीडिया टीम की ओर से जारी बयान में कहा गया- हम हिंसा, धमकी, आगजनी और संपत्ति को नष्ट करने के सभी कृत्यों की कड़ी और स्पष्ट रूप से निंदा करते हैं। बयान में कहा गया था कि इस नाजुक घड़ी में, हम प्रत्येक नागरिक से हिंसा, उकसावे और नफरत को अस्वीकार करके और उनका विरोध करके हादी का सम्मान करने का आह्वान करते हैं।

23 साल के पत्रकार ने राष्ट्रपति के सामने चुना हमसफर

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सालाना प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक अनोखा और भावुक पल देखने को मिला, जब युवा पत्रकार ने लाइव प्रसारण में अपनी गर्लफ्रेंड को शादी का प्रस्ताव दे दिया। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम ने गंभीर राजनीतिक माहौल को कुछ देर के लिए रोमांटिक बना दिया। युद्ध की आशंकाओं और रूस की अर्थव्यवस्था पर सवालों के बीच व्लादिमीर पुतिन की सालाना, घंटों चलने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक ऐसा पल आया जिसने सख्त राजनीतिक माहौल को अचानक रोमांटिक बना दिया। बीच सत्र में एक युवा क्षेत्रीय पत्रकार ने लाइव प्रसारण के दौरान शादी का प्रस्ताव रख दिया और पूरा हॉल तालियों और हंसी से गूंज उठा। ऐसे रखा गया शादी का प्रस्ताव लाल बो-टाई पहने 23 वर्षीय पत्रकार किरिल बाझानोव (ड१''

इ९ँल्लङ्क५) ने 'मैं शादी करना चाहता हूं' लिखा पोस्टर उठाकर पुतिन का ध्यान खींचा और स्क्रिप्ट से हटते हुए कहा, ह्लमुझे पता है मेरी गर्लफ्रेंड यह प्रेस कॉन्फ्रेंस देख रही है। ओल्गा (डॅ), क्या तुम मुझसे शादी करोगी?ह्व यह सुनते ही दर्शकों के बीच ठहाके और तालियां गूंज उठीं, जबकि लाइव प्रसारण देश-विदेश में जारी रहा। प्रस्ताव के बाद बाझानोव अपने मूल सवाल पर लौटे। उन्होंने महंगाई और ऊंची मॉर्गेज किस्तों का जिक्र करते हुए कहा कि वे और उनकी साथी आठ साल से साथ हैं, लेकिन आर्थिक दबावों के कारण परिवार शुरू करना मुश्किल हो रहा है। करीब एक घंटे बाद मंच संचालकों ने सत्र के बीच ह्लब्रेकिंगह्व अपडेट दिया। रूसी समाचार एजेंसी ळअरर के हवाले से बताया गया कि ओल्गा ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। ह्लवह आपसे शादी करेंगी,ह्व यह कहते ही फिर तालियों की गड़गड़ाहट सुनाई दी। पुतिन भी मुस्कुराते हुए तालियां बजाते नजर आए। हौसला पाकर बाझानोव ने राष्ट्रपति को शादी में आने का न्योता दे डाला। पुतिन ने आमंत्रण तो ठुकराया, लेकिन मौके पर चुटकी लेना नहीं भूले। उन्होंने कहा, ह्लकिरिल युवा परिवारों की आर्थिक हालत पर सवाल पूछ रहे थे और यह सही भी है। एक आदमी को परिवार का सहारा बनना चाहिए। अब टोपी घुमा देते हैं, कम से कम शादी के लिए कुछ तो इकट्ठा हो जाएगा।

हादी की मौत पर अखबार के दफ्तर में भीड़ ने बरपाया कहर

ढाका। ढाका में प्रदर्शनकारियों ने स्थनीय अखबार प्रोथोम आलो के कार्यालय पर हमला किया, वहां मौजूद कार्यकारी संपादक ने बताया कैसे प्रदर्शनकारियों ने दफ्तर में तोड़फोड़ की, जिससे अखबार की प्रिंट और वेबसाइट पर काम ठप हो गया। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में स्थनीय अखबार प्रोथोम अलो के कार्यालय पर बृहस्पतिवार देर रात प्रदर्शनकारियों ने हमला किया, जिससे पत्रकारों की जान खतरे में पड़ गई। प्रोथोम आलो के कार्यकारी संपादक सज्जाद शरीफ ने बताया कि यह हमला पिछले साल के आंदोलन के प्रमुख शख्स शरिफ उस्मान हादी की हत्या के बाद गुस्से में हुई हिंसा का परिणाम था। उन्होंने कहा कुछ बदमाशों ने हमारे मीडिया कार्यालय को नुकसान पहुंचाया। कल रात जब हमारे पत्रकार अगले दिन के अखबार और ऑनलाइन सामग्री पर काम कर रहे थे, तब यह दुखद घटना हुई। पत्रकार डर के मारे कार्यालय छोड़ने पर मजबूर हो गए। सज्जाद शरीफ ने यह भी बताया कि इस घटना के कारण प्रोथोम आलो का आज का प्रिंट संस्करण प्रकाशित नहीं हो सका और ऑनलाइन वेबसाइट भी रात से बंद है। 1998 में स्थापना के बाद यह पहली बार है जब अखबार प्रकाशित नहीं हुआ। उन्होंने इसे पत्रकारिता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया और सरकार से अपील की कि दोषियों को खोजकर कानून के तहत कार्रवाई की जाए। कमजोर शासन का फायदा उठा रहे हैं चरमपंथी- पूर्व उच्चायुक्त पूर्व भारतीय उच्चायुक्त पिनाक रंजन चक्रवर्ती ने बांग्लादेश में जारी प्रदर्शनों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वहां शासन काफी कमजोर है, जिसका फायदा कुछ चरमपंथी, अपराधी और इस्लामिक ताकतें उठा रही हैं। हादी की हत्या के बाद देशभर में हिंसा गौरतलब है कि हादी की मौत के बाद बांग्लादेश में लोगों का गुस्सा फूटा। कई जगहों पर मीडिया हाउस, सांस्कृतिक केंद्र और यहां तक कि शेख मुजीबुर रहमान का घर भी आग के हवाले कर दिया गया। इस घटना ने बांग्लादेश में राजनीतिक और सामाजिक तनाव को और बढ़ा दिया है। हालांकि सुरक्षा एजेंसियां स्थिति को काबू में करने की कोशिश कर रही हैं। कौन था उस्मान हादी? शरीफ उस्मान हादी बीते साल बांग्लादेश में हुए शेख हसीना के तख्तापलट के बाद बने इंकलाब मंच के प्रवक्ता थे।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना संख्या–यॉं / 301 / इज्जतनगर / ओटी–30

मुख्य कारखाना प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा पत्र में अंकित योग्यता मापदण्डों के अनुसार ई–निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। **क्र.सं. 1; कार्य का संक्षिप्त विवरण:** यांत्रिक कारखाना, इज्जतनगर में 02 वर्ष हेतु वैगन के सीबीसी, बोगी इत्यादि की मरम्मत से संबंधित कार्य (स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार); **अनुमानित मूल्य (₹ में):** ₹1,95,18,129.40 (रु० एक करोड़ पिच्यानवे लाख अठ्ठारह हजार एक सौ उनतीस एवं चालीस पैसे मात्र); **बिड सिक्योरिटी (₹ में):** ₹2,47,600/- (रु० दो लाख सैंतालीस हजार छः सौ मात्र); **निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹ में)** शून्य; **कार्य अवधि:** 02 वर्ष; **निविदा खुलने की तिथि व समय:** दिनांक 02.01.2026 को 15:30 बजे। **नोट:** 1. उपरोक्त ई–निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित दिनांक 19.12.2025 को समय 17:00 बजे से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर टेंडर खुलने की तिथि 02.01.2026 को 15:00 बजे तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदा में ई–बिड के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरों को चाहिए कि वो अपने आपको IT Act 2000 के अंतर्गत CA द्वारा जारी क्लास–III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS वेबसाइट पर पंजीकृत कराएं। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित ऑनलाइन दर्ज करने पर ही विचारणीय हैं। यदि निविदा प्रपत्र में विशेषतः उल्लेखित नहीं है, ऐसी स्थिति में दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी लैटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा तथा सीधी तौर पर अस्वीकृत कर दिया जायेगा। 4. ई–निविदा हेतु बिड सिक्योरिटी का भुगतान नेट बैंकिंग अथवा भुगतान गेटवे अथवा निविदा प्रपत्र के अनुसार स्वीकार किया जाएगा।

उपमुयाँइ / प्लांट इज्जतनगर

मुजाधि / यांत्रिक–111

टेनों में बीडी / सिगरेट न पियें

लड़कियों के साथ नहाते दिखे क्लिंटन, ट्रंप की फोटो बेहद कम

वॉशिंगटन। एपस्टीन फाइल्स के जारी होने के बाद डोनाल्ड ट्रंप को लेकर चल रही अटकलों पर काफी हद तक विराम लगा है। शुरूआती रिपोर्टों में ट्रंप का नाम बेहद सीमित संदर्भों में ही सामने आया है, जिनमें ज्यादातर जानकारी पहले से सार्वजनिक थी। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने जेफ्री एपस्टीन मामले से जुड़े दस्तावेजों की एक बड़ी खेप जारी की है। भारतीय समय के अनुसार शुक्रवार रात करीब ढाई बजे पांच सेट में करीब तीन लाख दस्तावेज सार्वजनिक किए गए। इन फाइलों में पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, पॉप स्टार माइकल जैक्सन, अभिनेता क्रिस टकर और ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू जैसी चर्चित हस्तियों की तस्वीरें शामिल है जारी तस्वीरों में कुछ फोटो ऐसी भी हैं, जिनमें बिल क्लिंटन लड़कियों के साथ पूल में समय बिताते और पार्टी करते दिखाई देते हैं। पहले चार सेट एक साथ जारी किए गए थे, जबकि कुछ घंटों बाद पांचवां सेट भी सार्वजनिक किया गया। कुल मिलाकर करीब 3,500 से ज्यादा फाइलें सामने आई हैं, जिनमें 2.5 जीबी से अधिक का डेटा शामिल है। हालांकि, कई तस्वीरों के बारे में यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वे किस जगह की हैं। पहले चरण के दस्तावेज सामने आने के बाद अमेरिकी राजनीति में हलचल तेज हो गई है। ट्रंप का नाम कहां-कहां आया? न्यूयॉर्क टाइम्स की शुरूआती समीक्षा के मुताबिक, जारी की गई फाइलों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम बहुत सीमित रूप से सामने आया है, जबकि पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन से जुड़ी तस्वीरें और संदर्भ ज्यादा नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जिन एपस्टीन फाइलों की शुरूआती जांच की गई है, वे काफी हद तक रेडैक्टेड यानी ब्लैकआउट थीं। जो जानकारियां साफ दिखाई दीं, उनमें डोनाल्ड ट्रंप का नाम सीमित जगहों पर ही सामने आया। ट्रंप का उल्लेख एपस्टीन की एड्रेस बुक, फ्लाइट लॉग्स और फोन कॉल से जुड़े मैसेज रिकॉर्ड में मिला। इसके अलावा कुछ पुरानी तस्वीरें भी शामिल हैं, जिनमें ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप, एपस्टीन और उसकी करीबी सहयोगी घिसलेन मैक्सवेल के साथ नजर आते हैं। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी साफ किया गया है कि ये सभी दस्तावेज और तस्वीरें पहले से ही सार्वजनिक डोमेन में मौजूद थीं और इनमें कोई नई या चौंकाने वाली जानकारी सामने नहीं आई। बिल क्लिंटन की तस्वीरें बनीं चर्चा का केंद्र दस्तावेजों में जहां डोनाल्ड ट्रंप का नाम बहुत सीमित रूप में सामने आया है, वहीं पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन से जुड़ी कई तस्वीरें इस खेप में सामने आई हैं। जारी तस्वीरों में क्लिंटन एक निजी विमान में दिखाई देते हैं, जहां उनके पास बैठी महिला का चेहरा ढका हुआ है। इसके अलावा स्विमिंग पूल और हॉट टब में उनकी मौजूदगी वाली तस्वीरें भी शामिल हैं। कुछ तस्वीरों में क्लिंटन को जेफ्री एपस्टीन की करीबी सहयोगी घिसलेन मैक्सवेल के साथ देखा गया है। हालांकि, इन सभी तस्वीरों के समय और संदर्भ को लेकर जारी फाइलों में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। एपस्टीन से रिश्तों पर ट्रंप की सफाई डोनाल्ड ट्रंप पहले भी कई बार कह चुके हैं कि उन्होंने 2000 के शुरूआती वर्षों में ही एपस्टीन से संबंध तोड़ लिए थे। ट्रंप का कहना है कि जब एपस्टीन ने उनके फ्लोरिडा स्थित मार-ए-लागो रिसॉर्ट से एक कर्मचारी को अपने यहां काम पर रखा, उसके बाद दोनों के रिश्ते खत्म हो गए। व्हाइट हाउस और क्लिंटन की प्रतिक्रिया व्हाइट हाउस के कई अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर क्लिंटन से जुड़ी तस्वीरों को उजागर करते हुए पोस्ट किए। वहीं, क्लिंटन के प्रवक्ता एंजेल उरेना ने बयान जारी कर कहा कि एपस्टीन जांच बिल क्लिंटन के बारे में नहीं है। क्लिंटन ने एपस्टीन से उसके अपराध सामने आने से पहले ही दूरी बना ली थी। उन्होंने यह भी साफ किया कि एपस्टीन की किसी भी पीड़िता ने कभी क्लिंटन पर आरोप नहीं लगाए। आगे और दस्तावेज होंगे जारी न्याय विभाग के वरिष्ठ अधिकारी टॉड ब्लांश ने बताया कि आने वाले हफ्तों में एपस्टीन से जुड़े और भी दस्तावेज सार्वजनिक किए जाएंगे। हालांकि, संभावित पीड़ितों की पहचान की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जरूरी हिस्सों को रेडैक्ट किया जाएगा। इन मशहूर हस्तियों की तस्वीरें आईं अब तक जारी दस्तावेजों और तस्वीरों में कई नामी हस्तियां सामने आई हैं। इनमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और पॉप स्टार माइकल जैक्सन शामिल हैं। इसके अलावा ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू अपनी पत्नी सारा फर्ग्यूसन के साथ नजर आए हैं। तस्वीरों में अमेरिकी टीवी होस्ट ओप्रा विन्फ्रे, हॉलीवुड अभिनेता केविन स्पेसी और क्रिस टकर के साथ ही अरबपति कारोबारी रिचर्ड ब्रैनसन भी दिखाई देते हैं। क्यों अहम हैं एपस्टीन फाइल्स? जेफ्री एपस्टीन एक दोषी यौन अपराधी था, जिस पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और प्रभावशाली लोगों से संबंध रखने के गंभीर आरोप थे। इसी वजह से एपस्टीन फाइल्स को अमेरिकी इतिहास की सबसे संवेदनशील और हाई-प्रोफाइल जांचों में शामिल माना जाता है।

ओडेसा बंदरगाह पर रूसी मिसाइल हमला आठ की मौत और 27 घायल

कीव। रूस-यूक्रेन के बीच जारी जंग के बीच रूस की तरफ से यूक्रेन के दक्षिणी शहर ओडेसा में मौजूद बंदरगाह पर हमला किया गया है। यूक्रेन के मुताबिक, इस हमले में आठ लोगों की मौत हो गई है और करीब 27 लोग घायल हुए हैं। वहीं इस हमले के बाद यूक्रेन ने भी रूस पर ड्रोन से हमला किया है। यूक्रेन के दक्षिणी शहर ओडेसा के बंदरगाह ढांचे पर शुक्रवार देर रात रूस के मिसाइल हमले में कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई और 27 लोग घायल हो गए। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा के अनुसार, हमले के केंद्र के पास एक बस में सवार कुछ लोग भी घायल हुए। बंदरगाह के पार्किंग क्षेत्र में खड़े ट्रकों में आग लग गई, जबकि कई कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। ओडेसा क्षेत्र के प्रमुख ओलेह किपर ने बताया कि बंदरगाह को बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाया गया। रूस की ओर से इस हमले की तत्काल पुष्टि नहीं की गई। हालांकि, रूसी रक्षा मंत्रालय ने शनिवार सुबह कहा कि पिछले एक दिन में उसने यूक्रेनी सशस्त्र बलों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे परिवहन और भंडारण ढांचे के साथ-साथ ऊर्जा प्रतिष्ठानों और कीव के युद्ध प्रयासों को समर्थन देने वाली सुविधाओं पर हमले किए। दूसरी ओर, यूक्रेन के जवाबी ड्रोन हमले यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने शनिवार को बयान जारी कर कहा कि यूक्रेनी ड्रोन ने रूस की एक तेल ड्रिलिंग प्लेटफॉर्म, एक सैन्य गश्ती जहाज और अन्य ठिकानों को निशाना बनाया। बयान के मुताबिक, शुक्रवार रात हुए हमले में रूसी गश्ती जहाज ओखोतनिक को क्षति पहुंची। यह जहाज कैस्पियन सागर में तेल और गैस उत्पादन मंच के पास गश्त कर रहा था। नुकसान की सीमा का आकलन किया जा रहा है। ड्रिलिंग प्लेटफॉर्म पर भी किया गया हमला इसके अलावा, कैस्पियन सागर स्थित फिलानोव्स्की तेल और गैस क्षेत्र के एक ड्रिलिंग प्लेटफॉर्म पर भी हमला हुआ। यह सुविधा रूसी तेल कंपनी ल्यूकोइल की तरफ से संचालित है। यूक्रेनी ड्रोन ने क्रीमिया के क्रास्नोसिल्स्के इलाके में एक रडार सिस्टम को भी निशाना बनाया। क्रीमिया को रूस ने 2014 में यूक्रेन से अवैध रूप से अपने में शामिल कर लिया था। हमलों पर रूस की तरफ से नहीं आई कोई प्रतिक्रिया इन घटनाओं पर रूस सरकार या लुकोइल की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

ये युद्ध की शुरूआत नहीं, बदला लेने का एलान है

वॉशिंगटन। दिसंबर महीने की शुरूआत में अमेरिकी सेना पर सीरिया में आईएसआईएस के आतंकी हमले में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई थी। इस हमले में एक इंटरप्रेटर भी मारा गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने आईएसआईएस को इसका अंजाम भुगतने की चेतावनी दी थी। अमेरिका ने सीरिया में आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ सीरिया एंड इराक (आईएसआईएस) के खिलाफ शनिवार को ऑपरेशन हॉकआई शुरू किया। इस ऑपरेशन के तहत अमेरिकी सेना ने आईएसआईएस के कई ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की। यह सैन्य अभियान सीरिया के पल्मायरा में 13 दिसंबर को हुए आईएसआईएस के हमले के जवाब में किए गए, इनमें दो अमेरिकी सैनिक और सेना से जुड़ा एक इंटरप्रेटर मारे गए थे। ऑपरेशन हॉकआई का मकसद आईएसआईएस आतंकियों, हथियार डिपो और परिचालन ठिकानों को नष्ट करना है। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इन हमलों पर कहा कि यह किसी युद्ध की शुरूआत नहीं है, बल्कि बदले का एलान है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका अपने लोगों की रक्षा करने में कभी संकोच नहीं करेगा और कभी पीछे नहीं हटेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले ही दे दी थी कार्रवाई की चेतावनी दिसंबर में अमेरिकी सेना पर हुआ हमला इस साल इस क्षेत्र में अमेरिकी सैनिकों पर हुए सबसे घातक हमलों में से एक था। पीड़ितों के शव बाद में अमेरिका वापस लाए गए, जहां उनके सम्मान में एक औपचारिक समारोह आयोजित किया गया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले ही चेतावनी दी थी कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। ऑपरेशन शुरू होने के बाद व्हाइट हाउस ने इन हमलों को विदेशों में तैनात अमेरिकी सेनाओं पर भविष्य में होने वाले हमलों को रोकने के लिए एक ठोस जवाब बताया। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी ट्रुथ सोशल पर एक संदेश में इन हमलों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई अमेरिकी सैनिकों की हत्या के बदले में की गई जवाबी कार्रवाई थी और अमेरिका सीरिया भर में आईएसआईएस के ठिकानों पर हमला कर रहा है। ट्रंप ने कहा कि सीरिया में वर्षों से चल रहे संघर्ष के बावजूद, अगर आईएसआईएस का पूरी तरह से खात्मा हो जाए तो उसका भविष्य बेहतर हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सीरियाई सरकार इस कार्रवाई से अवगत है और क्षेत्र से इस आतंकी समूह को हटाने के प्रयासों का समर्थन करती है। रक्षा सचिव ने कड़ी चेतावनी जारी की ऑपरेशन शुरू होने के बाद अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने एक कड़ा बयान जारी किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि ये हमले किसी व्यापक युद्ध की शुरूआत नहीं बल्कि जवाबी कार्रवाई का सीधा परिणाम थे।

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।